भाद्रपद शुक्ल पक्ष प्रतिपदा-द्वितीया, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 67 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

12 सितंबर 2026 शनिवार

आज का मौसम

32.2 अधिकतम

23.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

रणजी ट्रॉफी: सिराज को बड़ी जिम्मेदारी, बने हैदराबाद के कप्तान

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। सिराज को रणजी ट्रॉफी 2026-27 के लिए हैदराबाद टीम की कमान सौंपी गई है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने इस बात का ऐलान किया। सिराज जहां हैदराबाद के कप्तान होंगे, वहीं तेज गेंदबाज चामा मिलिंद उप-कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। रणजी ट्रॉफी का आगामी सीजन 11 अक्टूबर से शुरू होगा, जहां हैदराबाद अपने पहले मुकाबले में त्रिपुरा का सामना करेगा।

सिंघु बॉर्डर पर आपत्तिजनक नारे लिखने के आरोप में तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पंजाब से तीन लोगों को सिंघु बॉर्डर पर आपत्तिजनक नारे लिखने और खालिस्तान-समर्थक ग्राफिटी बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इन तीनों ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के निर्देश पर ये नारे लिखे थे। स्पेशल सेल ने एफआईआर दर्ज की और मामले की जांच शुरू की। पुलिस को सिंघु बॉर्डर पर लगे सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों के बारे में सुराग मिले। पुलिस ने वह कार भी बरामद कर ली है जिसका इस्तेमाल आरोपियों ने किया था।

ट्राले ने बाइक सवार को कुचला युवती की मौत, पहिए में फंसा शव

खरगोन। खरगोन जिले में मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम मगरखेड़ी के पास आज सुबह करीब 7 बजे एक सड़क हादसा हो गया। यहां एक ट्रक-ट्राले ने बाइक सवार युवक-युवती को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार भूमि शर्मा (26) ट्रक के पहिए के नीचे दब गईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक चला रहा आशीष परमार घायल हो गया। इसके बाद खरगोन में NH पर 5 किमी जाम लग गया। हादसे के बाद युवती का शव ट्रक के नीचे फंस गया था। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक को हटवाकर शव को बाहर निकलवाया। घायल आशीष को हाईवे एंबुलेंस से ठीकरी अस्पताल पहुंचाया गया।

बड़ी कामयाबी: भद्रवाह में जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह स्थित सेओज धार इलाके में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मारे गए जैश-ए-मोहम्मद के एक पाकिस्तानी आतंकी कमांडर का शव बरामद किया। आतंकी को पहले एक संयुक्त अभियान के दौरान मार गिराया गया था। एसओजी डोडा, राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफ की टीम ने तलाशी अभियान के दौरान आतंकी के शव बरामद किए। मुठभेड़ स्थल से अमेरिकी निर्मित एम4 राइफल भी बरामद हुई है। सुरक्षाबलों ने बरामद शव और हथियार को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर रही। सुरक्षाबलों की ओर से इलाके में अभियान और तलाशी की कार्रवाई जारी है।

आज का कार्टून

ब्रिक्स सम्मेलन... आपसी सहयोग से सामूहिक ताकत बढ़ाने पर जोर

दस साल बाद एक मंच पर मोदी-पुतिन और जिनपिंग, पूरी दुनिया की नजरें दिल्ली पर

- शाम 6 बजे प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग की वन-टू-वन मुलाकात
- इथियोपिया, मलेशिया, अबूधाबी और वियतनाम के नेताओं के साथ भी मीटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की मेजबानी में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आज से नई दिल्ली के भारत मंडपम में आगाज हो रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत पहुंच चुके हैं और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी दिल्ली में हैं। ऐसे में करीब दस साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पुतिन और जिनपिंग एक ही मंच पर साथ दिखाई देंगे। इससे पहले तीनों नेता 2016 में गोवा में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में एक साथ नजर आए थे। मोदी-जिनपिंग मुलाकात को सबसे खास माना जा रहा है। गलवान के बाद करीब 4 साल तक एलएसी पर दोनों देशों के बीच तनाव रहा।

सीमा विवाद सबसे अहम मुद्दा है और दोनों देश सीमा विवाद पर एक विशेषज्ञ समूह बनाने पर सहमत हुए हैं।

शिखर सम्मेलन के पहले दिन ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं की बंद कमरे में बैठक शुरू हो चुकी है। इसका विषय 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना' है। इसके बाद नेता 'भारत इनोवेट्स' प्रदर्शनी देखेंगे, सामूहिक तस्वीर और संयुक्त पौधरोपण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेजबानी में 7.30 बजे गाला डिनर होगा। मोदी आज इथियोपिया, मलेशिया, अबूधाबी और वियतनाम के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कर रहे हैं और शाम करीब 6 बजे शी जिनपिंग से उनकी मुलाकात प्रस्तावित है।

दुनिया की नजरें खास तौर पर इस बात पर हैं कि ब्रिक्स मौजूदा वैश्विक तनाव, यूक्रेन और पश्चिम एशिया के युद्ध, व्यापार बाधाओं, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे मुद्दों पर कितना साझा रुख बना पाता है। भारत के लिए सम्मेलन अमेरिका और पश्चिम के साथ संबंध बनाए रखते हुए रूस, चीन और ग्लोबल साउथ के साथ संतुलन साधने का बड़ा कूटनीतिक मंच है। 11 सदस्य देशों वाला ब्रिक्स दुनिया की करीब 49 फीसदी आबादी और करीब 40 फीसदी वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। सम्मेलन में सदस्य देशों के अलावा साझेदार और आमंत्रित देशों के नेता भी शामिल हो रहे हैं।

सहयोग बढ़ाने पर ठोस पहल की उम्मीद

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग 7 साल बाद भारत पहुंचे। पालम एयरपोर्ट पर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने उनका स्वागत किया।

ब्रिक्स सम्मेलन से उम्मीद है कि 11 सदस्य देश आर्थिक सहयोग को नई गति देने के साथ वैश्विक संस्थाओं में विकासशील देशों की आवाज मजबूत करेंगे। सम्मेलन में व्यापार बाधाएं घटाने, निवेश बढ़ाने, स्थानीय मुद्राओं में कारोबार और भुगतान व्यवस्था मजबूत करने, ऊर्जा व खाद्य सुरक्षा, तकनीक-नवाचार तथा सतत विकास में सहयोग बढ़ाने पर ठोस पहल की उम्मीद है। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे संस्थागत प्रयासों को आगे बढ़ाना भी महत्वपूर्ण होगा। चुनौती यह है कि अलग-अलग राष्ट्रीय हितों के बावजूद ब्रिक्स साझा एजेंडा और प्रभावी सामूहिक आवाज बनाए। यदि आर्थिक सहयोग व्यावहारिक रूप लेता है तो ब्रिक्स पश्चिमी व्यवस्था का विरोध भर नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक मजबूत सहयोगी शक्ति बन सकता है।

ब्रिक्स की अपनी करेंसी फिलहाल नहीं

ब्रिक्स देशों की ओर से कोई साझा नई करेंसी लॉन्च करने की आधिकारिक योजना नहीं है। फिलहाल सदस्य देश डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए आपसी कारोबार में रुपया, रूबल और युआन जैसी स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रहे हैं। दुनिया में डॉलर का दबदबा जल्दी खत्म होना मुश्किल है। ब्रिक्स देश डॉलर को पूरी तरह हटाने के बजाय उसके विकल्प तलाश रहे हैं। इनमें सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी और स्थानीय भुगतान प्रणालियों को आपस में जोड़ना शामिल है। इससे डॉलर की भूमिका को चुनौती मिल सकती है।

भारत - चीन के बीच तीसरी उड़ान

चीन की तीसरी बड़ी एयरलाइन चाइना सदर्न 6 साल बाद भारत के लिए सीधी उड़ान सेवा फिर शुरू करेगी। 21 सितंबर से ग्वांगझू-दिल्ली रूट पर रोजाना एक फ्लाइट चलेगी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा के बीच यह एलान किया गया है। एयर चाइना ने अप्रैल में करीब 6 साल बाद बीजिंग-दिल्ली फ्लाइट शुरू की थी। चाइना ईस्टर्न ने 18 अप्रैल से कुनमिंग-कोलकाता सेवा बहाल की थी। कोरोना महामारी और 2020 की गलवान झड़प के बाद भारत-चीन के बीच सीधी हवाई सेवाएं लंबे समय तक प्रभावित रही थीं। अब दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क धीरे-धीरे बहाल हो रहा है।

50 स्टूडेंट सवार थे, सड़क से कार हटाने की बात पर भड़के युवक

डबरा में स्कूल बस पर 4 गोलियां दागीं, ड्राइवर घायल

डबरा। ग्वालियर जिले के डबरा में कार सवार युवकों ने स्कूल बस पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से ड्राइवर घायल हो गया। वारदात के वक्त टेकनपुर स्थित ग्लोरियस कॉन्वेंट स्कूल की इस बस में करीब 50 स्टूडेंट थे।

पिछोर पुलिस ने बताया कि आज सुबह बच्चों को स्कूल लेकर जा रही बस बड़ी अकबई गांव के पास पहुंची। यहां सड़क के बीच स्विफ्ट कार खड़ी थी। बस ड्राइवर खेम सिंह ने हेल्पर को भेजकर कार सवार युवकों से गाड़ी हटाने के लिए कहा। इस पर युवकों ने

पेट्रोल खत्म होने की बात कहकर कार हटाने से मना कर दिया। इसके बाद खेम सिंह बस से उतरा और कहा कि वे धक्का देकर कार सड़क के बीच से हटा दें। इस पर युवक भड़क गए।

उनमें से एक ने जेब से कट्टा निकालकर 4 फायर कर दिए। एक गोली खेम सिंह को लगी। वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद युवक भाग निकले। पिछोर थाना प्रभारी शिवम सिंह राजावत ने कहा- डबरा के अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद खेम सिंह को ग्वालियर रेफर किया गया है। उसने बताया है कि कार के सभी शीशों पर काली फिल्म चढ़ी थी। पिछले शीशे पर 'गुर्जर' लिखा था। हम आरोपियों को तलाश रहे हैं।

पीए पर ईडी की कार्रवाई के बाद पूर्व सीएम रावत का कांग्रेस के सभी पदों से इस्तीफा

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कांग्रेस में अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। रावत ने करीबी पीए के ठिकाने पर ईडी की कार्रवाई के बाद यह फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि वह 'नहीं चाहते कि उनके किसी काम से पार्टी का संघर्ष कमज़ोर हो', साथ ही उन्होंने अपने सहयोगी पर लगे गड़बड़ी के आरोपों से इनकार किया।

हरीश रावत ने राज्य कांग्रेस समिति और कांग्रेस कार्य समिति के पदों को भी छोड़ा है। यह कदम उनके ओएसडी चंदन सिंह जीना के परिसरों से बड़ी मात्रा में नकदी और आभूषण जब्त होने के बाद उठाया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिये अपने निर्णय की घोषणा की।

अमेरिका-ईरान जंग: ड्रोन हमले के बाद सऊदी ने तेल पाइपलाइन बंद की

रियाद। सऊदी अरब ने ड्रोन हमले के बाद अपनी ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन बंद कर दी है। गुरुवार को हुए ड्रोन हमले में पाइपलाइन से जुड़े पंपिंग स्टेशनों में आग लग गई थी और कुछ लोग घायल हुए थे। ईरान जंग के चलते होर्मुज बंद होने के बाद सऊदी इसी पाइपलाइन से रोजाना करीब 50 लाख बैरल तेल भेज रहा था। सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि पाइपलाइन पर गुरुवार को कई हमले हुए थे। मंत्रालय की टीमें पाइपलाइन को सुरक्षित करने और नुकसान का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि ये हमले किसने किए। अब तक किसी भी देश या संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

छत्तीसगढ़ में 3 कॉलेज स्टूडेंट्स नदी में लापता

उत्तराखंड में 170 फीट लंबा ब्रिज बहा, एमपी में बारिश का दौर

नई दिल्ली/देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड में भारी बारिश के बीच पिथौरागढ़ के कुलागाड़ नाले पर बना 170 फीट लंबा बैली ब्रिज तेज बहाव में बह गया। इससे चीन सीमा से लगी व्यास, दारमा और चौदांस घाटियों का संपर्क टूट गया है। यह ब्रिज 27 अगस्त को ही बनाया गया था। पुराना पुल 18 अगस्त को चट्टान गिरने से टूट गया था।

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में हसदेव नदी के तेज बहाव में 3 कॉलेज स्टूडेंट्स बह गए। तीनों बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के 8 छात्र-छात्राओं के साथ पिकनिक मनाने देवरी गांव पहुंचे थे। नदी किनारे सेल्फी के दौरान एक छात्र का पैर फिसला, उसे बचाने के लिए कूदे 2 अन्य छात्र भी बह गए। तीनों की तलाश जारी है। बिहार में बाढ़ से 15 जिलों में 47 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। उत्तर प्रदेश के 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। 21 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। MP के 15 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि राजस्थान के 29 जिलों में बारिश की संभावना है। इससे पहले शुक्रवार को राजस्थान के अलवर, सवाई माधोपुर, दौसा में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया था। एमपी के भोपाल में बारिश से विजिबिलिटी 100 मीटर से भी कम हो गई।

मेट्रो एंकर भारत की डीप-टेक क्षमता, सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग वाली तकनीक खास आकर्षण

60 सेकंड में कैंसर का जोखिम बताएगी भारत की एआई तकनीक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत अपनी नई डीप-टेक क्षमता का प्रदर्शन ब्रिक्स सम्मेलन के साथ कर रहा है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में देश की 37 डीप-टेक तकनीक दुनिया के सामने हैं। इनमें महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए विकसित एआई आधारित तकनीक खास आकर्षण है। यह तकनीक स्क्रीनिंग के बाद 60 सेकंड से कम समय में कैंसर के जोखिम का आकलन करने में सक्षम है।

यह तकनीक महाराष्ट्र की पेरीविंकल टेक्नोलॉजीज ने विकसित की है। इसका प्लेटफॉर्म Smart Scope CX पोर्टेबल सर्वाइकल इमेजिंग डिवाइस और एआई आधारित सॉफ्टवेयर को जोड़ता है। इसका उद्देश्य ऐसी जगहों पर भी सर्वाइकल स्वास्थ्य की जांच को आसान बनाना है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टर या अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हैं। कंपनी के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म एक ही विजिट में जांच और जोखिम आकलन की सुविधा देता है।

इस सिस्टम में पोर्टेबल इमेजिंग डिवाइस से सर्विक्स की तस्वीर ली जाती है। इसके बाद एआई आधारित एप उस इमेज का विश्लेषण कर जोखिम का आकलन करता है। भारत इनोवेट्स के आधिकारिक विवरण के अनुसार, एआई आधारित रियल टाइम रिस्क असेसमेंट 60 सेकंड से कम समय में किया जा सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि मशीन एक मिनट में कैंसर की अंतिम पुष्टि कर देती है; इसका काम संभावित जोखिम की पहचान कर आगे की चिकित्सकीय जांच और विशेषज्ञ सलाह की जरूरत तय करने में मदद करना है। इस तकनीक की एक खासियत यह भी है कि इसका इमेजिंग सिस्टम बिजली की उपलब्धता सीमित होने वाली जगहों के लिए तैयार किया गया है। इसके साथ क्लाउड आधारित टेलीमेडिसिन सुविधा भी है, जिसके जरिए जरूरत पड़ने पर दूर बैठे विशेषज्ञ से परामर्श लिया जा सकता है। इस तरह प्राथमिक स्तर की जांच और विशेषज्ञ चिकित्सा के बीच की दूरी कम करने की कोशिश की गई है।

अब तक 4.5 लाख से अधिक स्क्रीनिंग

कंपनी के अनुसार, इस प्लेटफॉर्म से अब तक 4.5 लाख से अधिक सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग की जा चुकी हैं और इसके उपयोग वाले स्थान तीन महाद्वीपों में हैं। ब्रिक्स सम्मेलन के साथ इसका प्रदर्शन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत केवल अपनी तकनीक दिखाने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि इन्हें अंतरराष्ट्रीय सहयोग, निवेश और वैश्विक बाजार तक पहुंच दिलाने की दिशा में भी आगे बढ़ा रहा है। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की समय पर पहचान उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में कम समय में जोखिम का आकलन करने वाली पोर्टेबल और एआई आधारित तकनीक उन क्षेत्रों में उपयोगी हो सकती है जहां विशेषज्ञों तक पहुंच सीमित है। भारत का यह प्रयास स्वास्थ्य तकनीक को प्रयोगशाला से निकालकर जमीन पर ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है।

डैम में 80 प्रतिशत पानी है मौजूद, पिछले साल भी इतना ही था जलस्तर

टेंडर प्रक्रिया व हाईटेंशन लाइन की शिफ्टिंग में देरी से पिछड़ा केरवा बांध स्पिल-वे का काम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी की बड़ी झील यानी भोपाल की शान बड़े तालाब का फुल टैंक लेवल होने पर भदभदा बांध के गेट खुल चुके हैं। उससे जुड़े कालियासोत बांध के गेट भी खोलना पड़े , लेकिन केरवा बांध के भरने के पहले ही उसके जर्जर स्पिल-वे से काफी पानी बहने को लेकर बवाल के हालात बने हुए हैं। यह जर्जर स्पिल-वे नए सिरे से बनाया जा रहा है। जबकि पानी के अतिरिक्त बहाव को रोकने बनाए गए काफर (कच्चा मिट्टी का) बांध ने कुल जल भराव क्षमता के 80 फीसदी पानी की निकासी रोक ली है। यानी पिछले साल इस दौरान जितना पानी था, उतना बांध में अब भी बना हुआ है ।

जल संसाधन विभाग के अनुसार केरवा जलाशय के स्पिल चैनल का फुट ब्रिज 11 नवंबर 2025 को क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद अफसरों के निर्देश पर जलाशय के पैदल पुल के निर्माण के लिए विभागीय स्तर पर प्रक्रिया शुरू की गई। शासन के पत्र के आधार पर नए स्पिल-वे निर्माण के लिए 1349 लाख रुपए की प्रशासनिक मंजूरी भी जारी की गई। टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण एजेंसी को काम सौंपा गया। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय से जारी कार्यादेश के अनुसार 10 अप्रैल 2026 को ठेकेदार को काम शुरू करने के निर्देश दिए गए।

करीब 1131.03 लाख रुपए के कार्यादेश के साथ काम पूरा करने के लिए नौ माह की समय सीमा (वर्षाकाल सहित) निर्धारित की गई थी। लेकिन, मौके पर मौजूद 33 केवी हाईटेंशन लाइन निर्माण में बड़ी बाधा बनी। विभाग की ओर से बिजली कंपनी को लाइन शिफ्ट करने के लिए पत्राचार किया गया। हाईटेंशन लाइन हटाए बिना क्षतिग्रस्त स्ट्रक्चर को तोड़ने और नए स्पिल-वे का निर्माण आगे बढ़ाना संभव नहीं था। अंततः 21 मई 2026 को एचटी लाइन शिफ्ट की गई, जिसके बाद निर्माण कार्य में तेजी आई।

3 फीट के टिल्टिंग गेट के स्थान पर बनने हैं 6 फीट के वर्टिकल गेट

'स्पिल-वे निर्माण में देरी को जलभराव से देखना ठीक नहीं'

विशेषज्ञों का कहना है कि स्पिल-वे निर्माण में देरी को केरवा जलाशय के जलभराव से जोड़कर देखने की जरूरत नहीं है। वर्तमान में जलाशय में उसकी कुल क्षमता का करीब 80 प्रतिशत पानी भरा हुआ है। यह पिछले वर्ष इसी अवधि के भराव के लगभग बराबर है। यानी निर्माण कार्य प्रभावित होने के बावजूद जलाशय के भराव में किसी तरह की कमी सामने नहीं आई है। अब विभाग और निर्माण एजेंसी के सामने शेष निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा 9 जनवरी 2027 तक पूरा करने की चुनौती है। एचटी लाइन की बाधा दूर होने के बाद काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। आगामी समय में स्पिल-वे निर्माण की प्रगति इस बात पर निर्भर करेगी कि शेष कार्य निर्धारित समय में किस गति से पूरा किया जाता है।

न्यूज विंडो

ज्यादा शोर नहीं, डीजे में 4 स्पीकर ही रहेंगे, तेज आवाज पर कार्रवाई

भोपाल। त्योहारों में डीजे के शोर से कानून-व्यवस्था और लोगों की परेशानी न बढ़े, इसके लिए पुलिस ने डीजे संचालकों के साथ बैठक कर नियमों का पालन करने की हिदायत दी है। कमिशनर कार्यालय सभागार में हुई बैठक में एडिशनल पुलिस कमिशनर शैलेंद्र सिंह चौहान ने डीजे संचालकों, डीजे यूनियन और हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के साथ ध्वनि नियंत्रण को लेकर चर्चा की। बैठक में तय किया गया कि डीजे पर अधिकतम चार साउंड बॉक्स ही लगाए जाएंगे। संचालकों को निर्धारित डेसिबल सीमा में ही डीजे बजाए जाने और शासन-प्रशासन की गाइडलाइन का पालन करने के निर्देश दिए गए।

शराबी पति को छोड़ गई मायके गई पत्नी, खदान में डूबा, मौत

भोपाल। कजलीखेड़ा इलाके में गुरुवार दोपहर खदान में भरे पानी में एक युवक का शव मिला है। युवक की मौत डूबने से हुई है, लेकिन वह खदान में कैसे पहुंचा, यह साफ नहीं है। मिसरोद पुलिस के मुताबिक राम कुमार का बेटा अन्नू सिंह (31) क्षेत्र में ही रहता था। वह शराब का आदी था। इसी वजह से कुछ समय पहले उसकी पत्नी बच्चे को लेकर मायके चली गई थी। दोपहर खदान में पानी में शव तैरता हुआ दिखाई दिया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया।

शाहपुरा में महिला के साथ ज्यादती, आरोपी को ढूंढ़ रही पुलिस

भोपाल। शाहपुरा इलाके के एक होटल में 50 वर्षीय महिला के साथ उसके पुराने परिचित युवक द्वारा ज्यादती किए जाने का मामला सामने आया है। वह महिला को इलाज कराने के बहाने कार से लेकर निकला था। रास्ते में वह उसे शाहपुरा स्थित एक होटल में ले गया, जहां ज्यादती की। घटना के बाद आरोपी ने महिला को धमकाया। गुरुवार को महिला ने हिम्मत जुटाकर पुलिस को शिकायत दी। शाहपुरा पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

अस्पतालों में मरीजों की लगी कतार, अब तक 57 मरीज स्वाइन फ्लू पॉजिटिव

डबल अटैक...7 दिन में स्वाइन फ्लू के 36 मरीज, डेंगू के मरीज भी 72

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में स्वाइन फ्लू ने अचानक रफ्तार पकड़ ली है। सात दिन में ही 35 नए मरीज मिलने से ॥1ह्1 का आंकड़ा 22 से बढ़कर 57 पहुंच गया। यानी हर दिन औसतन पांच नए संक्रमित सामने आए हैं। संक्रमण की रफ्तार कितनी तेज है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल पूरे मप्र में मिले स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या (सात) से इस साल अकेले शहर का आंकड़ा आठ गुना ज्यादा हो चुका है।

अस्पतालों में सर्दी, खांसी, तेज बुखार और सांस लेने में तकलीफ वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। खास बात यह है कि खतरा अकेले ॥1ह्1 तक सीमित नहीं है। डेंगू भी लगातार बढ़ रहा है और मरीजों की संख्या 72 तक पहुंच गई है। यानी शहर में एक साथ दो संक्रमण पैर पसार रहे हैं, हालांकि यह अच्छी बात है कि भोपाल में अब तक इस सीजन में स्वाइन फ्लू से एक भी मौत नहीं हुई है, जबकि इंदौर में 2 मौतें हो चुकी हैं।

प्रदेश में स्वाइन फ्लू के मरीजों की अचानक रफ्तार बढ़ने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार जांच व निगरानी की जा रही है।

जेपी और हमीदिया में जांच सुविधा नहीं

मरीजों की संख्या बढ़ने के बावजूद शहर के सरकारी अस्पतालों में स्वाइन फ्लू के जांच की व्यवस्था नहीं है। बता दें, कोरोना काल में वायरस की पहचान के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज की स्टेट वायरोलॉजी लैब में जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन लगाई गई थी। मशीन से एक साथ 96 सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग की क्षमता बताई गई थी। लेकिन आज तक इन मशीनों का उपयोग नहीं हो सका है।

2019 के बाद इस बार सबसे ज्यादा मरीज

बीते कुछ सालों से शहर में स्वाइन फ्लू के मरीज बहुत कम थे। 2015 में भोपाल में 2,200 से अधिक सैंपल लिए गए थे और 588 से अधिक केस पॉजिटिव मिले थे। इसके बाद 2019 में 100 से अधिक केस मिले थे। 2021 में मात्र 22 केस मिले थे, लेकिन 2022 में 48 मामले थे। पिछले साल पूरे प्रदेश में स्वाइन फ्लू के 7 मरीज सामने आए थे।

डेंगू के बढ़ते मरीज भी बढ़ा रहे चिंता

स्वाइन फ्लू के साथ डेंगू भी राजधानी में चिंता बढ़ा रहा है। भोपाल में डेंगू के मरीजों की संख्या 72 हो गई है। बारिश के बाद जमा पानी और उमस मच्छरों के प्रजनन के लिए अनुकूल स्थिति बना रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग के सामने ॥1ह्1 के साथ डेंगू की रोकथाम और निगरानी की भी चुनौती है।

विभाग का दावा-वायरस माइल्ड, कोई भर्ती नहीं

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक भले ही पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ रही है लेकिन वायरस का असर माइल्ड श्रेणी का है। यही कारण है कि इतने मरीज होने के बावजूद कोई मरीज भर्ती नहीं है। मरीज तीन से चार दिन में सामान्य ट्रीटमेंट से ठीक हो रहे हैं। सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा का कहना है कि स्वाइन फ्लू के मरीजों की लगातार निगरानी की जा रही है। लक्षण वाले मरीजों की स्थिति के अनुसार जांच और उपचार किया जा रहा है। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर समय पर तुरंत डॉक्टरों से मिले।

एक्सपर्ट व्यू

श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. पराग शर्मा का कहना है कि लगातार तापमान बदलने का असर पड़ रहा है। इस मौसम में सांस से संबंधित बीमारियां तेजी से बढ़ती हैं। अगर खांसी, सर्दी, जुकाम और बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं तो लोगों को चाहिए कि वे लापरवाही न बरतें। तुरंत डॉक्टर से जांच कराएं। सेल्फ मेडिसिन न लें, यह स्थिति को और खतरनाक बना सकता है।

आयुष्मान में गड़बड़ी पर कार्रवाई

4 अस्पतालों ने नहीं दिया जवाब, नोटिस लाइसेंस हो सकता रद्द

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आयुष्मान भारत योजना में लापरवाही को लेकर भोपाल के चार अस्पतालों समेत प्रदेश के 11 अस्पतालों पर कार्रवाई की तलवार लटक गई है। पिछले छह महीने के उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण में इन अस्पतालों द्वारा आयुष्मान योजना के तहत हितग्राहियों के उपचार संबंधी प्रकरण टीएमएस पोर्टल पर दर्ज नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। इसे योजना के प्रावधानों और हितग्राहियों के अधिकारों के प्रति गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित अस्पतालों से सात दिन में जवाब मांगा गया है। भोपाल के गणपति अस्पताल, हक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, नवोदय अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर और शल्य ज्वाइंट केयर को नोटिस जारी किया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह ने स्पष्टीकरण मांगा है। जवाब नहीं देने पर संतोषजनक स्पष्टीकरण दिए जाने पर अस्पतालों की योजना से संबद्धता समाप्त की जा सकती है।

योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को दिए इलाज ओर उससे जुड़े प्रकरणों की टीएमएस पोर्टल पर एंट्री करनी है। 6 माह के रिकॉर्ड की समीक्षा में 11 अस्पतालों में एंट्री ही नहीं की। विभाग ने प्रक्रिया का पालन के निर्देश दिए। संबंधित रिकॉर्ड और स्पष्टीकरण मांगा है। अरविंद शाह ने कहा कि हितग्राहियों के उपचार और उनके अधिकारों के साथ लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इन अस्पतालों को नोटिस... भोपाल के गणपति अस्पताल, हक मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल, नवोदय अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर, शल्य ज्वाइंट केयर, इंदौर के अरविंद क्लिनिक, राधिकाज्ड एल-अस्पताल (नोवा), रेथायल हेल्थ सेंटर एंड नर्सिंग होम (रीवा), श्री डीके केयर अस्पताल (खंडवा), नेट्रो न्यूरो अस्पताल (ग्वालियर), अक्षर अस्पताल (भोजपुर), न्यू सिटी अस्पताल (टीकमगढ़)।

मॉकड्रिल से नदारद 200 पुलिस कर्मी, चार टीआई को नोटिस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आगामी त्योहारों और कानून-व्यवस्था की तैयारियों को परखने के लिए भोपाल पुलिस लाइन में हुई बलवा मॉकड्रिल अनुशासनहीनता की भेंट चढ़ गई। योजना के तहत 300 से अधिक पुलिसकर्मियों को इस अभ्यास में शामिल होना था, लेकिन 100 जवान ही पहुंचे। वे भी समय पर नहीं आए। इस बड़ी लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए मुख्यालय के प्रभारी डीसीपी आदर्शकांत शुक्ला ने चार थाना प्रभारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

पुलिस कमिश्नर कार्यालय में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान एडिशनल पुलिस कमिश्नर शैलेंद्र सिंह चौहान ने लापरवाह अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने हाल ही में पुराने भोपाल के छोला क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि भीषण ट्रैफिक जाम के दौरान वायरलेस सेट पर निर्देश देने के बावजूद मैदानी पुलिसकर्मियों की तरफ से कोई त्वरित प्रतिक्रिया नहीं मिली।

अधिकारियों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि पुलिस विभाग में अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधीनस्थों की कार्यशैली, ड्यूटी के प्रति गंभीरता और वायरलेस सेट पर सक्रियता सुनिश्चित करें, ताकि आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

रेलवे कर्मियों ने परिजनों तक किशोर को पहुंचाया

भोपाल। रानी कमलापति स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता से घर से बिना बताए निकला 15 वर्षीय नाबालिग सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाया गया। घटना 11 सितंबर की है। उसने परिजनों को ड्यूटी के दौरान अमरावती एक्सप्रेस में नाबालिग बिना टिकट मिला। रेलवे कर्मचारी पीड़ित अस्पताल में उपचार कराया था। सही होने पर बालक को देख-रेख सुरक्षित लाया गया। वहां और ड्यूटी शेड टीटी मंजू पटेल और ठेकेदारी मनोज मालवीय ने बालक के परिजनों को सूचना दी। इसके बाद उसे सुपुर्द कर दिया गया।

अयोध्या बायपास पर बन रही 10 लेन सड़क, भानपुर रोड बदहाल...जगह-जगह गड्ढे, जाम से लोग परेशान

भोपाल। अयोध्या बायपास पर चल रहे 10 लेन सड़क निर्माण का असर आसपास के मार्गों पर भी पड़ रहा है। निर्माण कार्य के चलते भानपुर रोड पर यातायात का दबाव बढ़ गया है, वहीं सड़क की हालत भी खराब हो गई है। जगह-जगह गड्ढे और उबड़-खाबड़ सड़क से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भरने से स्थिति और गंभीर हो गई है। भानपुर रोड पर सुबह-शाम कई बार लंबा जाम लग रहा है। नौकरीपेशा लोगों, स्कूली बच्चों और रहवासियों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

मेट्रो एंकर | बढ़ रही सोशल मीडिया की सनक, भोपाल की महिला ने इंदौर निवासी पति से मांगा तलाक

इंस्टा पर मिली लोकप्रियता ने तोड़ी 12 साल पुरानी शादी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल की एक महिला और इंदौर के कारोबारी परिवार से ताल्लुक रखने वाले व्यक्ति का 12 साल पुराना वैवाहिक रिश्ता सोशल मीडिया के कारण टूटने के कगार पर पहुंच गया है। साल 2014 में शादी के बंधन में बंधे इस दंपती के दो बच्चे (11 साल की बेटी और 7 साल का बेटा) हैं।

कुछ समय पहले महिला ने इंस्टाग्राम पर रील्स बनाकर पोस्ट करना शुरू किया। देखते ही देखते उसके फॉलोअर्स और तारीफ करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ गई। कमेंट्स में लोग उसकी खूबसूरती और पर्सनालिटी की सराहना करने लगे। इधर फॉलोअर्स बढ़े तो सोशल मीडिया पर बढ़ रही तारीफों से पुल से प्रभावित महिला को लगने लगा कि उसका पति उसकी सुंदरता के लायक ही नहीं है और वह उससे बेहतर पार्टनर की हकदार है। इससे घर में दूरी बनने लगी। इससे आए दिन विवाद होने लगे। इसी बीच महिला ने पति से एक नया घर खरीदने की मांग कर दी। पति ने जब इनकार कर दिया तो वह नाराज होकर बच्चों को साथ लेकर इंदौर से भोपाल स्थित अपने मायके आ गई। यहां आते ही उसने ने भोपाल फैमिली कोर्ट में तलाक, भरण-पोषण (मेंटेनेंस) और घरेलू हिंसा की शिकायत भी दर्ज करवा दी।

पत्नी की तलाक की जिद से दो बच्चों के भविष्य पर बन आई

पति बोला-पत्नी को पढ़ाया, आत्मनिर्भर बनाने के लिए 4 लाख रुपए से ब्यूटी पार्लर भी खुलवाया

कोर्ट में पति-पत्नी दोनों की काउंसलिंग शुरू की गई है। फैमिली कोर्ट के काउंसलर शैल अवस्थी की मानें तो पति ने अपना पक्ष रखा है। पति का कहना है कि जब शादी हो रही थी तब पत्नी ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं थी। उसने पत्नी को आगे की पढ़ाई करवाई।

इसके साथ ही पत्नी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चार लाख रुपए लगाकर ब्यूटी पार्लर भी खुलवा दिया। अब वह सोशल मीडिया के जाल में बुरी तरह फंस चुकी है। आए दिन तरह-तरह से परेशान कर रही है।

पति ने यह तर्क भी दिया कि वह शादी के समय जैसा दिखता था और पत्नी ने पसंद किया था। आज भी वह वैसा ही है। इसके जवाब में महिला अपनी जिद पर अड़ी है। वह किसी भी तरह के समझौते के पक्ष में नहीं है। वह तलाक लेने पर अड़ी है। वह यह भी सुनने को तैयार नहीं है कि तलाक के बाद दोनों बच्चों के भविष्य पर बुरा असर पड़ेगा। वह कोर्ट में दोनों बच्चों की जिम्मेदारी अलग-अलग बांटने पर चर्चा कर रही है। हालांकि एक बार फिर से उसे समझाने का प्रयास किया जा रहा है। पति-पत्नी में सुलह कराने की कवायद करवाई जा रही है।

सीएम की प्रोटोकॉल ड्यूटी में थे अफसर

दानिश कुंज में ट्रैफिक एसीपी के घर चोरी, जेवर समेत 10 लाख उड़ा ले गए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल। राजधानी भोपाल में चोरों ने ट्रैफिक एसीपी विजय कुमार दुबे के घर में सेंध लगा दी। चोर अलमारी से सोने-चांदी के जेवर और 10 लाख रुपए नकद ले उड़े। जाते-जाते ड्राइंग रूम से सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर भी ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दरअसल, घटना गुरुवार की है। दानिश कुंज में रहने वाले एसीपी विजय कुमार दुबे सुबह मुख्यमंत्री की सुरक्षा ड्यूटी के लिए घर से निकले। उनकी पत्नी भी सुबह करीब 11.30 बजे घर में ताला जडकर लगाकर उज्जैन चली गईं। रात 12.30 बजे ड्राइवर के साथ एसीपी लौटे तो मेन गेट का ताला टूटा मिला। अंदर सेंटर लॉक भी टूटा था। ड्राइंग रूम से सीसीटीवी का डीवीआर गायब था। चोरों ने बेडरूम की अलमारी से सोने-चांदी के जेवर और 10 लाख रुपए नकद उड़ा लिए। फरियादी ने बताया, जेवरों की पूरी जानकारी पत्नी के लौटने के बाद सामने आएगी।

इसलिए ले गए डीवीआर ....

बताते हैं, चोरों को घर में लगे कैमरे की जानकारी थी। इसलिए बचने की पूरी कोशिश करने का शक है। पड़ोसियों के कैमरे में रात 10.30 बजे सफेद कार और कुछ संदिग्ध नजर आए हैं।

नई दिल्ली के ब्रिक्स बाजार में छाई मध्यप्रदेश की बाग प्रिंट

विदेशी मेहमान ने स्वयं ठप्पे लगाकर जानी पारंपरिक कला की बारीकियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के अवसर पर सजे ब्रिक्स बाजार में मध्यप्रदेश के धार जिले की विश्व प्रसिद्ध बाग प्रिंट कला विदेशी प्रतिनिधियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्राकृतिक रंगों और लकड़ी के बारीक नक्काशीदार ब्लॉक्स से तैयार होने वाली इस पारंपरिक हस्तशिल्प कला के जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय मंच पर मध्यप्रदेश की समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले देश-विदेश के प्रतिनिधियों को बाग प्रिंट की विशिष्ट तकनीक, प्राकृतिक रंगों के उपयोग और लकड़ी के नक्काशीदार ब्लॉक्स से कपड़े पर छपाई की प्रक्रिया से परिचित कराया जा रहा है।

विदेशी प्रतिनिधियों ने स्वयं लगाए बाग प्रिंट के ठप्पे

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने आए विभिन्न देशों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों ने ब्रिक्स बाजार का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने बाग प्रिंट स्टॉल पर पहुंचकर पारंपरिक ब्लॉक प्रिंटिंग की प्रक्रिया को करीब से देखा और इसकी बारीकियों को समझा। प्रतिनिधियों ने न केवल इस पारंपरिक कला की सराहना की, बल्कि स्वयं लकड़ी के नक्काशीदार ठप्पों को रंगों में डुबोकर कपड़े पर प्रिंट भी किया। इस अवसर के लिए विशेष रूप से 'BRICS' लोगो वाले ब्लॉक्स तैयार किए गए थे। प्रतिनिधियों ने इन ब्लॉक्स से ठप्पे लगाकर तैयार किए गए कपड़ों को स्मृति-चिह्न के रूप में अपने साथ ले गए। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मंच पर केन्द्रीय सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित धार जिले के मोहम्मद बिलाल खत्री द्वारा बाग प्रिंट का जीवंत प्रदर्शन किया जा रहा है। विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों द्वारा इस पारंपरिक कला को करीब से समझना, स्वयं इसकी प्रक्रिया में भाग लेना

एमपी के नए डीजीपी की दौड़ में हैं एक दर्जन आईपीएस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के लिए कवायद तेज हो गई है। इसके लिए राज्य सरकार ने 12 आइपीएस अफसरों के नाम दिल्ली भेज दिए हैं। जिन अफसरों के नामों का पैनल भेजा गया है उनमें 1991 बैच के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना का कार्यकाल नवंबर में खत्म हो रहा है। वे हाल ही में 38 साल की सेवा अवधि पूरी कर चुके हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार एमपी के नए डीजीपी के लिए 1991 बैच के आइपीएस वरुण कपूर, उपेंद्र जैन व प्रज्ञा ऋचा का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। हालांकि उनके नामों पर केंद्र सरकार ही अंतिम निर्णय लेगी।

मध्यप्रदेश में नए डीजीपी की चयन प्रक्रिया सरकार ने तेज कर दी है। गृह विभाग ने 12 सीनियर आइपीएस अफसरों के नामों का पैनल तैयार कर दिल्ली भेजा है। इसमें 1991 बैच के तीन, 1992 बैच के तीन, 1993 बैच के दो और 1994 बैच के चार अफसरों के नाम हैं।

डीजीपी पैनल में पहला नाम आइपीएस वरुण कपूर का

नए डीजीपी के लिए बनाए गए पैनल में वरिष्ठता क्रम में पहला नाम 1991 बैच के आइपीएस वरुण कपूर का है। वे अभी जेल डीजी हैं। दूसरा नाम ईओडब्ल्यू डीजी उपेंद्र जैन और तीसरे नंबर पर होमगार्ड डीजी प्रज्ञा ऋचा हैं। इस पैनल में से यूपीएससी की कमेटी तीन नामों का पैनल सरकार को भेजेगी। इनमें से एक नाम पर सरकार मुहर लगाएगी। वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाना का कार्यकाल इसी साल नवंबर में खत्म हो जाएगा। 23 नवंबर 2024 को सरकार ने डीजीपी के लिए उनके नाम का ऐलान किया था। 1 दिसंबर को कैलाश मकवाना ने पुलिस महानिदेशक यानि डीजीपी पद संभाला था।

निजी बस ऑपरेटर्स की मनमानी और एकाधिकार होगा खत्म

विकसित होंगे 150 सिटी और 450 इंटरसिटी रूट

55 जिलों का सर्वे पूरा, 1,000 से अधिक नए रूटों पर दौड़ेंगी बसें

महिलाओं के लिए शुरू होगी पिंक बाइक-टैक्सी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा को प्रदेशभर में लागू करने के लिए सरकार ने रूट प्लान से लेकर तकनीकी निगरानी और बस अधोसंरचना तक की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में बताया गया कि प्रदेश के 55 जिलों का रूट सर्वे पूरा हो चुका है। डेटा आधारित योजना के तहत करीब 150 सिटी, 450 इंटरसिटी और 436 इंटरस्टेट मार्ग विकसित किए जाएंगे। बसों में सीसीटीवी, जीपीएस, पैनिक बटन और रियल टाइम मानिटरिंग की सुविधा होगी तथा ईवी और सीएनजी बसों को प्राथमिकता दी जाएगी।

यात्रियों को भरोसेमंद सेवा देना लक्ष्य- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के लिए मध्य प्रदेश यात्री परिवहन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमपीवायपीआइएल) बनाई गई है। परिवहन सचिव मनीष सिंह ने बताया कि बस संचालन, आईटीएमएस और परिवहन अधोसंरचना को पीपीपी मॉडल पर एकीकृत किया जाएगा। इसका उद्देश्य सही बस सही मार्ग और सही समय के आधार पर यात्रियों को भरोसेमंद सेवा देना है।

रैपिडो से जुड़ेगी बस और मेट्रो

फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए एपपीवायपीआइएल और रैपिडो के बीच एमओयू हुआ। इसके तहत बस स्टैंड, बस स्टाप और मेट्रो स्टेशनों की जानकारी रैपिडो के तकनीकी प्लेटफार्म से जोड़ी जाएगी। महिलाओं द्वारा संचालित रैपिडो पिंक बाइक-टैक्सी को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में भोपाल और इंदौर में होगी। सरकार ने एमपी मोबिलिटी इनोवेशन चैलेंज-2026 भी शुरू किया है। इसमें एआई और डेटा आधारित मोबिलिटी, वित्तीय व परिचालन स्थिरता, समावेशी परिवहन, अधोसंरचना व लास्ट-माइल कनेक्टिविटी तथा ग्रीन मोबिलिटी जैसे पांच क्षेत्रों में नए समाधान तलाशे जाएंगे। स्टार्टअप, एमएसएमई, शोधकर्ता, शिक्षण संस्थान और नवप्रवर्तक इसमें भाग ले सकेंगे।

पीथमपुर में बनेंगी पांच हजार ई-बस

समिट में उद्योग प्रतिनिधियों ने भी निवेश और तकनीक की जानकारी दी। एका मोबिलिटी पीथमपुर में ई-बस निर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता पांच हजार ई-बस बताई गई। वहीं, समिट में बस आपरेशन, आधुनिक टर्मिनल, डिपो, स्टाप, डिजिटल टिकटिंग, रियल टाइम यात्री सूचना प्रणाली और ग्रीन मोबिलिटी को लेकर पीपीपी आधारित माडल पर मंथन हुआ।

20 साल बाद राज्य परिवहन को नई संजीवनी

इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित यात्री परिवहन विजन समिट-2026 के शुभारंभ सत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि कि वर्ष 2004-05 में पुरानी राज्य परिवहन सेवा बंद होने के बाद अब प्रदेश में सार्वजनिक बस व्यवस्था को नए स्वरूप में खड़ा करने की दिशा में काम हो रहा है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा को उन्होंने अगले 20 वर्षों के लिए परिवहन व्यवस्था में बड़े बदलाव का अवसर बताया। सरकार की योजना में आधुनिक तकनीक, डिजिटल निगरानी, यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर संचालन व्यवस्था को प्रमुखता दी गई है। इसके साथ ही परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा।

शहर से गांव तक बेहतर कनेक्टिविटी पर जोर

परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि नई बस सेवा प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से बेहतर तरीके से जोड़ेगी। सार्वजनिक परिवहन को सुरक्षित, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में आधुनिक बस अड्डे, बसों की डिजिटल निगरानी, चालक-परिचालकों की प्रभावी निगरानी और सड़क सुरक्षा जैसे प्रावधानों पर जोर दिया जाएगा। सरकार निजी बस संचालकों के साथ मिलकर अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी परिवहन व्यवस्था विकसित करेगी।

253 से घटकर 125 रह जाएंगे पदाधिकारी

राहुल के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के बाद कांग्रेस में होगा बड़ा फेरबदल

मिशन-2028 की तैयारी में जुटी एमपी कांग्रेस

19 सितंबर के बाद बदलेगी प्रदेश कार्यकारिणी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 19 सितंबर को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में भाग लेंगे। पार्टी इसे एक शहर या मालवा-निमाड़ अंचल तक सीमित न रखकर प्रदेशभर के युवाओं से जुड़ने का बड़ा अवसर मानकर तैयारी कर रही है। इसके बाद टीम मध्य प्रदेश में बदलाव होगा।

नई टीम मिशन-2028 यानी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए बनाई जाएगी। कुछ जिला अध्यक्ष भी बदले जाएंगे तो विभाग और प्रकोष्ठों में भी नियुक्तियां होंगी। पार्टी ने तय किया है कि नई टीम वर्तमान कार्यकारिणी से छोटी रखी जाएगी। अभी 253 पदाधिकारी हैं, जिनकी संख्या घटाकर 125 तक लाई जाएगी। इसमें भी उन पदाधिकारियों को मुक्त करने की तैयारी है, जिनका संगठनात्मक कामकाज में योगदान नगण्य रहा और मैदानी गतिविधियों में भी सक्रियता नजर नहीं आई। वहीं, उन पदाधिकारियों को भी कार्यमुक्त कर दिया जाएगा, जिन्हें आगामी विधानसभा चुनाव लड़ना है।

संगठन और जिला अध्यक्षों के स्तर पर फेरबदल

संगठन में परिवर्तन केवल प्रदेश स्तर पर नहीं बल्कि जिला स्तर पर भी होगा। कुछ जिला अध्यक्ष भी बदले जाएंगे। इसमें कुछ तो वे हैं, जिनका प्रदर्शन कमतर आंका गया है। वहीं, सिद्धार्थ कुशवाहा, ओमकार सिंह मरकाम, जयवर्धन सिंह सहित कुछ विधायकों के पास जिला अध्यक्ष पद के साथ संगठन के अन्य दायित्व भी हैं। ऐसे में ये अपने क्षेत्र में पर्याप्त समय नहीं दे पाते हैं इसलिए इनके स्थान पर नई नियुक्तियां हो सकती हैं।

विभाग और प्रकोष्ठ भी नए सिरे से बनेंगे

उधर, पार्टी के सभी विभाग और प्रकोष्ठों की इकाइयों को भंग किया जा चुका है। अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाह पहले ही प्रदेश अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे चुके हैं लेकिन नई नियुक्ति होने तक उन्हें काम करते रहने के लिए कहा गया है। सभी 19 विभाग और 34 प्रकोष्ठों की प्रदेश इकाइयों में नियुक्तियां नए सिरे से होंगी। पार्टी का प्रयास है कि नए चेहरों को मौका दिया जाए।

दिव्यांगों की अटकी भर्ती खोलने की तैयारी-

आयुक्त की सीएस से मुलाकात वॉक-इन इंटरव्यू पर लगी रोक हटाने समेत दिए कई प्रस्ताव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दिव्यांगजनों के रोजगार, शिक्षा, पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा को लेकर प्रदेश में नई पहल की तैयारी है। मध्यप्रदेश के दिव्यांगजन आयुक्त डॉ. अजय खेमरिया ने मंत्रालय में मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल से मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे। उन्होंने दिव्यांगजनों के लिए चल रहे विशेष भर्ती अभियान की अवधि बढ़ाने, साक्षात्कार के माध्यम से होने वाली भर्तियों पर लगी रोक हटाने और आंगनवाड़ी भर्ती में दिव्यांग महिलाओं को अतिरिक्त लाभ देने की मांग की। मुख्य सचिव ने सभी प्रस्तावों का परीक्षण कर आवश्यक निर्णय लेने का भरोसा दिया।

विशेष भर्ती अभियान की अवधि बढ़ाने की मांग

आयुक्त ने बताया कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों और पिछली भर्तियों से रिक्त पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया जा रहा है। विभिन्न विभागों में आरक्षित पदों का चिह्नांकन कर भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी। कई स्थानों पर साक्षात्कार की प्रक्रिया आगे बढ़ चुकी थी, लेकिन बाद में इस माध्यम से होने वाली भर्तियों पर रोक लगा दी गई। आयुक्त ने कहा कि जिन आवेदकों की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, उनके हित में रोक पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। साथ ही भर्ती अभियान की अवधि बढ़ाने के लिए स्पष्ट आदेश जारी करने का आग्रह किया।

आंगनवाड़ी भर्ती में दिव्यांग महिलाओं को लाभ

आयुक्त ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका की भर्ती में दिव्यांग महिला आवेदकों को अतिरिक्त लाभ देने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने राजस्थान की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि दिव्यांग महिलाओं को निर्धारित श्रेणियों के अनुसार अतिरिक्त अंक या लाभ देने का प्रावधान किया जाना चाहिए। इससे ग्रामीण और कमजोर वर्ग की दिव्यांग महिलाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

छात्रावास पूरे साल चलाने की मांग

राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा संचालित दिव्यांग विद्यार्थियों के छात्रावासों को पूरे वर्ष संचालित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। पिछले शैक्षणिक सत्र में 60 छात्रावासों के संचालन पर करीब 7.12 करोड़ रुपए खर्च हुए और 2,324 विद्यार्थियों को प्रवेश मिला। आयुक्त ने कहा कि कई जिलों में छात्रावास समय पर शुरू नहीं हो पाते। इसलिए इन्हें सामान्य छात्रावासों की तरह 12 महीने संचालित किया जाए। संस्थाओं का चयन हर वर्ष करने के बजाय कम से कम पांच वर्ष के लिए करने का सुझाव भी दिया गया।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु तृतीय एवं अंतिम चरण की समय-सारणी जारी

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में संचालित राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तृतीय एवं अंतिम चरण की समय-सारणी जारी कर दी गई है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन एवं प्रवेश संबंधी प्रक्रिया पूर्ण कर सकेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन की प्रक्रिया 11 से 13 सितम्बर तक होगी। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 11 से 15 सितम्बर तक किया जाएगा।

सरकारी दफ्तरों में लगेगा बायोमेट्रिक सिस्टम

अब नहीं चलेगा साइन करो और गायब हो जाओ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में लेटलतीफी और काम से जी चुराने वाले कर्मचारियों पर अब जल्द ही नकेल कसने वाली है। मुख्यमंत्री द्वारा प्रशासनिक अनुशासन और समय की पाबंदी पर बार-बार जोर दिए जाने के बावजूद, कर्मचारियों का समय पर दफ्तर न पहुंचना सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है।

इसी साइन-एंड-वैनिश (हाजिरी लगाओ और गायब हो जाओ) कल्चर को खत्म करने के लिए राज्य सरकार अब एक फुलप्रूफ व्यवस्था लागू करने जा रही है। जल्द ही दफ्तरों में मैनुअल रजिस्टर की जगह बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम लेगा, जो कर्मचारियों के आने और जाने का सटीक डिजिटल रिकॉर्ड रखेगा।

दफ्तरों में कर्मचारियों की उपस्थिति की निगरानी को सख्त करने के लिए सरकार अगले कुछ महीनों में इस डिजिटल प्रणाली को लागू कर देगी। जानकारी के अनुसार, इसकी शुरुआत राजधानी भोपाल के राज्य सचिवालय (मंत्रालय) और उससे लगे सतपुड़ा व विंध्याचल भवन से की जाएगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से इसे प्रदेश के अन्य सभी सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य कर दिया जाएगा।

साल में सिर्फ 168 दिन काम

हैरानी की बात यह है कि सरकारी कर्मचारियों को साल भर में बड़े पैमाने पर छुट्टियां मिलती हैं। 2021 से पांच-दिवसीय कार्य सप्ताह लागू होने के बाद, साल में 104 दिन तो केवल शनिवार-रविवार के अवकाश होते हैं। इसके अलावा 63 दिन की विभिन्न छुट्टियां (30 ईएल, 13 कैजुअल, 20 मेडिकल) और 30 दिन के सरकारी व ऐच्छिक अवकाश मिलते हैं। इस तरह 365 दिन में कुल 197 दिन की छुट्टियां होती हैं। कर्मचारियों को साल में केवल 168 दिन ही काम करना होता है। उसके बावजूद उनका सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक के निर्धारित समय का पालन न करना एक बड़ी समस्या है।

मेट्रो एंकर

टीटीनगर थाने में खुला प्रदेश का पहला ई-मालखाना

अब थानों में रखे सबूतों से नहीं हो सकेगी छेड़छाड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पुलिस थानों में रखे जाने वाले जब्त माल और सबूत अब पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। भोपाल के टीटीनगर थाने में मध्यप्रदेश का पहला ई-मालखाना शुरू कर दिया गया है। इसके साथ ही राज्य में पुलिस साक्ष्यों की सुरक्षा व्यवस्था को डिजिटल करने की शुरूआत हो गई है। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद थानों में रखे सबूतों से छेड़छाड़, गुमशुदगी और हेराफेरी की संभावनाएं लगभग समाप्त हो जाएंगी।

अब तक थानों में अपराध से जुड़े सामान, जैसे हथियार, नकदी, मोबाइल, नशीले पदार्थ, वाहन और अन्य साक्ष्यों को हाथ से लिखे रजिस्टरों में दर्ज किया जाता था। माल को पोटली या बक्से में बंद कर अलमारी में रखा जाता था। कई बार कीमती सामान के रख-रखाव में लापरवाही सामने आती थी, जिससे कोर्ट में पेशी के समय दिक्कतें आती थीं। दूसरे राज्यों में मालखानों से चोरी और हेराफेरी के मामले भी उजागर हो चुके हैं। इन सभी समस्याओं से निपटने के लिए अब ई-मालखाना मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने टीटीनगर थाने में प्रदेश के पहले ई-मालखाना का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि टीटीनगर थाने से बदलाव की शुरूआत हो चुकी है और जल्द ही अन्य थानों में ई-मालखाना शुरू किया जाएगा। पुलिसकर्मियों के मोबाइल में ई-मालखाना एप डाउनलोड कराया गया है। जब भी कोई माल जब्त होगा, उसका पूरा विवरण डिजिटल रूप से इस एप में दर्ज किया जाएगा। इसमें माल का प्रकार, वजन, केस नंबर, जब्ती की तारीख, माल की फोटो, विवेचक का नाम, कोर्ट में पेशी की तारीख समेत अन्य बिंदुओं के माध्यम से जानकारी भरी जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया पूरी होते ही जब्त माल को यूनिक आईडी और क्यूआर कोड जारी किया जाएगा।

एक क्लिक में मिलेगी लोकेशन की सटीक जानकारी

ई-मालखाना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि अब माल की लोकेशन की सटीक जानकारी एक क्लिक में मिल सकेगी। यदि कोई फरियादी अपने जब्त सामान को वापस लेने के लिए आवेदन करता है, तो केस नंबर डालते ही यह पता चल जाएगा कि उसका सामान किस थाने में, किस रैक या किस बक्से में रखा है। इससे वर्षों तक कोर्ट में लंबित मामलों के सबूतों की ट्रैकिंग भी आसान हो जाएगी। इसके अलावा यह सिस्टम पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ाएगा। कौन-सा माल कब थाने में आया, किसने लिया, कहां गया और कब कोर्ट में पेश हुआ - हर गतिविधि का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। इससे किसी भी तरह की लापरवाही या गड़बड़ी की जिम्मेदारी भी तय की जा सकेगी।

नई राह तलाशता भारत

नई दिल्ली में हो रहा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल सदस्य देशों की बैठक नहीं है। यह बदलती विश्व व्यवस्था का संकेत भी है। कभी चार उभरती अर्थव्यवस्थाओं के आर्थिक समूह के रूप में शुरू हुआ ब्रिक्स आज 11 देशों का ऐसा मंच बन चुका है, जो दुनिया की करीब आधी आबादी और लगभग 40 प्रतिशत वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। ब्रिक्स का बढ़ता महत्व इस बात में है कि दुनिया अब केवल अमेरिका और यूरोप केंद्रित शक्ति-संतुलन को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं दिखती। एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और लैटिन अमेरिका के देश अपनी आर्थिक ताकत और राजनीतिक आवाज के अनुरूप वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में हिस्सेदारी चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी असंतुलन से पैदा हुई है। ब्रिक्स इस मांग को एक संगठित मंच देता है।

भारत के लिए इस सम्मेलन का महत्व और भी अधिक है। भारत एक तरफ अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंध मजबूत कर रहा है, तो दूसरी तरफ रूस, चीन और ग्लोबल साउथ के देशों के साथ भी अपने हितों को साध रहा है। यही भारत की विदेश नीति की विशेषता है। किसी एक ध्रुव का हिस्सा बनने के बजाय सभी प्रमुख शक्तियों के साथ अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संबंध रखना। यहां यह समझना भी जरूरी है कि ब्रिक्स का मतलब पश्चिम-विरोधी गठबंधन बनाना नहीं है। सदस्य देशों के हित और दृष्टिकोण एक जैसे नहीं हैं। भारत और चीन के बीच गंभीर मतभेद हैं। ईरान और पश्चिम एशिया के दूसरे देशों के अपने संघर्ष हैं। रूस और पश्चिम के संबंध बेहद तनावपूर्ण हैं। ऐसे में ब्रिक्स को एक राजनीतिक सैन्य गुट में बदलने की कोशिश उसकी उपयोगिता को ही सीमित कर सकती है। भारत की कोशिश इसलिए अधिक व्यावहारिक होनी चाहिए। स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, बेहतर भुगतान व्यवस्था, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा, तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वास्थ्य, जलवायु और विकास वित्त जैसे क्षेत्रों में ठोस सहयोग ब्रिक्स को प्रभावी बना सकता है। न्यू डेवलपमेंट बैंक पहले ही विकासशील देशों के लिए वैकल्पिक वित्तीय सहयोग का उदाहरण बन चुका है। सबसे बड़ी संभावना यह है कि ब्रिक्स विकासशील दुनिया को केवल शिकायत करने का मंच न देकर समाधान देने वाला मंच बने। भारत के सामने चुनौती भी यही है। उसे ब्रिक्स को पश्चिम के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक अधिक संतुलित, बहुध्रुवीय और न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की राह के रूप में आगे बढ़ाना होगा। आज दुनिया को नए शक्ति-केंद्रों की नहीं, शक्ति के बेहतर संतुलन की जरूरत है। नई दिल्ली का यह सम्मेलन यदि इस संतुलन की दिशा में ठोस कदम बढ़ाता है, तो ब्रिक्स का विस्तार केवल देशों की संख्या बढ़ने की घटना नहीं रहेगा, बल्कि विश्व राजनीति के बदलते अध्याय की शुरुआत साबित हो सकता है।

आत्मशुद्धि और अनासक्ति की साधना का वास्तविक सन्देश देता पर्युषण पर्व

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

पर्युषण जैन धर्म का ऐसा आध्यात्मिक पर्व है, जो मनुष्य को बाहरी आडम्बर से हटाकर अपने भीतर झांकने की प्रेरणा देता है। यह पर्व केवल पूजा, व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिरीक्षण, संयम, त्याग, तप, क्षमा और मन की शुद्धि का अवसर है। पर्युषण के दिनों में व्यक्ति अपने जीवन को निकट से देखता है और यह समझने का प्रयास करता है कि उसके भीतर क्रोध, मान, माया, लोभ, आसक्ति और अहंकार जैसी कौन-कौन सी विकृतियां जड़ जमा चुकी हैं। आत्मा की ओर लौटने की यही प्रक्रिया पर्युषण की वास्तविक साधना है।

पर्युषण की आराधना में जीवन को हल्का, सरल, शांत और पवित्र बनाने का संदेश मिलता है। संसार में रहते हुए संसार के प्रति आसक्ति कम करना इसका मूल भाव है। मनुष्य परिवार, धन, पद और सुविधाओं के बीच रहते हुए भी यदि इनके प्रति ममता और मेरा-पन को सीमित कर सके तो जीवन का भार कम हो सकता है। संसार छोड़ना ही त्याग नहीं है, बल्कि संसार की वस्तुओं के बीच रहते हुए उनके प्रति अनावश्यक आसक्ति छोड़ देना भी त्याग की महत्वपूर्ण साधना है। जिस वस्तु के साथ हमारा ममत्व नहीं जुड़ा, वह वस्तु हमारे मन पर भार नहीं बन सकती। इसी भाव को लघुता कहा गया है। जीवन की यात्रा में सामान जितना कम होगा, यात्रा उतनी ही सहज होगी। यही बात मन पर भी लागू होती है। ममता, चिंता, इच्छाओं और अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ मनुष्य को भीतर से भारी बना देता है। मन जितना भारमुक्त होगा, आत्मिक यात्रा उतनी ही सरल होगी। संसार में रहकर भी अनासक्त रहने का भाव हमें यह सिखाता है कि वस्तुओं का उपयोग करें, लेकिन वस्तुओं को अपने मन का स्वामी न बनने दें। भरत चक्रवर्ती का उदाहरण इसी अनासक्ति की प्रेरणा देता है कि अपार वैभव के बीच रहते हुए भी मन योगी की तरह निर्लिप्त रह सकता है। पर्युषण का एक महत्वपूर्ण संदेश विरति अर्थात् त्याग है। व्रत और प्रत्याख्यान इसी त्याग भावना को मजबूत करते हैं। त्याग केवल किसी वस्तु का बाहरी रूप से परित्याग कर देना नहीं है। वास्तविक त्याग तब है, जब उस वस्तु के प्रति मन की लालसा और आसक्ति भी कम हो जाए। यदि वस्तु सामने न होने पर भी मन उसी के लिए बेचैन रहे तो बाहरी त्याग अधूरा है। इसलिए पर्युषण हमें अपने भीतर की इच्छाओं को पहचानने और उन पर संयम स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

इसके साथ उपशम की साधना भी आवश्यक है। क्रोध, द्वेष और कषायों से संतप्त मन में धर्म का बीज आसानी से अंकुरित नहीं होता। जैसे गर्म भूमि में बोया गया बीज पनप नहीं पाता, वैसे ही अशांत और क्रोध से भरे हृदय में उपदेश का प्रभाव स्थायी नहीं होता। पर्युषण के दिनों में शास्त्रों का वाचन, प्रवचन और धार्मिक आयोजन तभी सार्थक होंगे, जब उनका प्रभाव मन की शांति और व्यवहार की मधुरता में दिखाई दे। उपशम का अर्थ है भीतर की उथल-पुथल को शांत करना और क्षमा की भावना को विकसित करना। निर्वाण का भाव भी इसी आंतरिक शांति से जुड़ा है। जिस प्रकार हवा के तेज झोंकों में दीपक की लौ स्थिर नहीं रह सकती, उसी प्रकार मन में आसक्ति, लालसा और कामनाओं का तूफान हो तो ज्ञान की ज्योति स्थिर नहीं रह सकती। मन को चंचलता से मुक्त करना और उसे वैराग्य की दिशा में ले जाना आवश्यक है। भोगों के बीच रहते हुए भी उनके प्रति अनासक्त रहने की साधना मनुष्य को भीतर से स्वतंत्र बनाती है। पक्षी और बंदर का उदाहरण इस भाव को सरलता से समझाता है। डाल टूटने पर पक्षी उड़ जाता है, क्योंकि वह डाल से बंधा नहीं था, जबकि आसक्ति में बंधा प्राणी उसी टूटती डाल के साथ गिरता है। पर्युषण हमें जीवन में ऐसी ही अनासक्ति का अभ्यास कराता है। मन की पवित्रता भी पर्युषण की प्रमुख साधना है। शरीर पर बाहरी मैल लगने से शरीर अशुद्ध होता है, उसी प्रकार लोभ, छल, कपट, द्वेष और स्वार्थ जैसे विकार मन को मलिन करते हैं। लोभ को अनेक पापों की जड़ माना गया है, क्योंकि लोभ बढ़ने पर विवेक कमजोर पड़ने लगता है। मनुष्य अपने हित के लिए अनुचित मार्ग अपनाने तक को तैयार हो जाता है। इसलिए पर्युषण केवल बाहरी शुद्धि का नहीं, बल्कि विचारों की सफाई का पर्व है। मन को निर्मल बनाने का प्रयास ही सच्ची धार्मिक आराधना है। आर्जव अर्थात् सरलता और ऋजुता भी धर्म के लिए आवश्यक है। धर्म उसी हृदय में टिक सकता है जो कपट और छल से मुक्त हो। सीधा स्तंभ बड़े भवन का भार संभाल सकता है, लेकिन उसमें टेढ़ापन आ जाए तो उसकी मजबूती समाप्त हो जाती है। उसी प्रकार जीवन में कपट का प्रवेश हो जाए तो धर्म की नींव कमजोर पड़ने लगती है। पर्युषण मनुष्य को निष्कपटता, सरलता और सहजता अपनाने का अवसर देता है। बालक की तरह निर्मल और सहज मन में धर्म का संस्कार शीघ्र अंकुरित होता है।

मृदुता भी पर्युषण का महत्वपूर्ण संदेश है। कठोर भूमि में बीज अंकुरित नहीं होता, जबकि कोमल और उपजाऊ मिट्टी जीवन को जन्म देती है। इसी प्रकार अहंकार, द्वेष और स्वार्थ से कठोर हुआ हृदय धर्मोपदेश को ग्रहण नहीं कर पाता। इसलिए मन की भूमि को मृदु बनाना आवश्यक है। विनम्रता, करुणा और सहानुभूति से मन को कोमल बनाया जा सकता है। पर्युषण आत्मनिरीक्षण के साथ यह देखने का अवसर देता है कि हमारा हृदय पत्थर जैसा कठोर हो रहा है या मिट्टी जैसा कोमल।

वास्तव में पर्युषण आठ दिनों की धार्मिक दिनचर्या भर नहीं, बल्कि जीवन को भीतर से बदलने का अवसर है। यदि इन दिनों में हम शांति, विरति, उपशम, निवृत्ति, शौच, आर्जव, मृदुता और लघुता जैसे जीवन मूल्यों पर गंभीरता से चिंतन करें और उनमें से कुछ को अपने व्यवहार का हिस्सा बना लें तो पर्युषण की साधना सार्थक हो सकती है। पर्व की सफलता इस बात में नहीं कि हमने कितने धार्मिक अनुष्ठान किए, बल्कि इसमें है कि हमारे मन में कितनी शांति आई, हमारी इच्छाएं कितनी संयमित हुईं, हमारा व्यवहार कितना सरल हुआ और दूसरों के प्रति हमारी क्षमा तथा करुणा कितनी बढ़ी। यही पर्युषण का वास्तविक संदेश है और यही आत्मशुद्धि की दिशा में उठाया गया सार्थक कदम भी है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

चिंताजनक और गंभीर जांच का विषय हैं प्रधानमंत्री की सुरक्षा में सेंध की कोशिशें

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से पहले बीकेसी पुलिस और मुंबई पुलिस की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। मुख्य आरोपी रोहन पारेख और उसके बॉडीगार्ड दिलीप कुंडे को मंगलवार को अदालत में सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 11 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित रैली से ठीक पहले तीन संदिग्धों की गिरफ्तारी और उनके पास से प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का फर्जी पहचान पत्र, हथियार तथा जिंदा कारतूस बरामद होना एक अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक घटना है। यह केवल एक आपराधिक साजिश का पर्दाफाश नहीं है, बल्कि देश की सर्वोच्च सुरक्षा प्रणाली में मौजूद उन संभावित खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिनका फायदा उठाकर असामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्व इतनी गहराई तक घुसपैठ करने में कामयाब हो जाते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी शीर्ष जननेता, विशेषकर प्रधानमंत्री की सुरक्षा केवल एक व्यक्ति का विषय नहीं होती, बल्कि यह राष्ट्रीय संप्रभुता, साख और आंतरिक स्थिरता से सीधा जुड़ा हुआ मामला है। ऐसे में इस गंभीर चूक और साजिश की तह तक जाना बेहद जरूरी है। मुंबई पुलिस की स्थानीय खुफिया इकाई और आतंकवाद विरोधी दस्ते की सतर्कता की निश्चित रूप से सराहना की जानी चाहिए, जिनकी समय रहते कार्रवाई से एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, इस घटना के जो पहलू सामने आ रहे हैं, वे कई असहज करने वाले सवाल खड़े करते हैं। संदिग्धों के पास से पीएमओ का फर्जी पहचान पत्र मिलना इस बात का प्रमाण है कि साजिशकर्ताओं ने बेहद शातिराना योजना बनाई थी। सवाल यह उठता है कि क्या इन संदिग्धों का इरादा रैली स्थल के उस उच्च-सुरक्षा क्षेत्र तक पहुंचना था, जहां केवल अधिकृत अधिकारियों, विशिष्ट अतिथियों और सुरक्षाकर्मियों को ही जाने की अनुमति होती है? यदि वे फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर सुरक्षा घेरे को भेदने में सफल हो जाते, तो स्थिति कितनी भयावह हो सकती थी, इसकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

मौजूदा मामले में बचाव पक्ष के वकीलों ने रोहन का पक्ष रखते हुए पुलिस के दावों को खारिज करने की कोशिश की। रोहन के वकील ने कोर्ट के सामने दावा किया कि रोहन पारेख कोई अपराधी नहीं बल्कि खुद धोखाधड़ी का शिकार हुआ है। वकील के मुताबिक, रोहन को तरुण नाम के एक शख्स के जरिए पीएमओ के अतिरिक्त सचिव के नाम से एक ईमेल प्राप्त हुआ था। इसी ईमेल के आधार पर उसे पीएमओ से जुड़ी जानकारी दी गई थीअदालत में सुनवाई के दौरान जज ने बचाव पक्ष के वकील से सीधा सवाल पूछा कि क्या आरोपी को प्रधानमंत्री कार्यालय के कार्यक्रम के सुरक्षा प्रोटोकॉल की कोई जानकारी थी?

इस सवाल पर वकील ने दलील दी कि रोहन की नीयत खराब नहीं थी। घटना से एक दिन पहले वह सिर्फ व्यवस्था देखने कार्यक्रम स्थल के आसपास गया था और उसने वहां पास के ही एक मॉल से परफ्यूम भी खरीदा था। लेकिन पुलिस का कहना है कि आरोपी ने एक रात पहले आयोजन स्थल के आसपास रेकी भी की थी। मामले में गिरफ्तार दूसरा आरोपी 45 साल का दिलीप कुंडे है। पुलिस ने इसे कल्याण से दबोचा है। वह साल 2024 से रोहन पारेख के बॉडीगार्ड के तौर पर काम कर रहा है। जांच में सामने आया है कि दिलीप पूर्व सीआईएसएफ जवान है और जिस रिवॉल्वर के साथ वह पकड़ा गया है, उसका लाइसेंस उत्तर प्रदेश का है।

इतना ही नहीं, जांच एजेंसियों को पता चला है कि दिलीप कुंडे का परिवार मुख्य रूप से ड्रोन से जुड़े कारोबार में शामिल है।

खार इलाके का रहने वाला मुख्य आरोपी रोहन पारेख एक बेहद रसूखदार और बड़े कारोबारी परिवार से ताल्लुक रखता है। उसके पिता का नाम प्रेमाल पारेख बताया जा रहा है। सुनवाई के दौरान रोहन का पूरा परिवार कोर्ट रूम में मौजूद था।

एक रिपोर्ट के अनुसार जांच एजेंसियों को अब इस मामले को केवल एक स्थानीय आपराधिक घटना के रूप में नहीं देखना चाहिए। इसके पीछे छिपे पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश होना आवश्यक है। सबसे पहला सवाल यह है कि यह फर्जी पीएमओ आईडी कहां और किसके द्वारा बनाई गई? क्या इसके पीछे किसी अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय साजिशकर्ता गिरोह का हाथ है? इन संदिग्धों को हथियार कहां से सप्लाई किए गए और इनका वास्तविक वित्तीय तथा रणनीतिक मददगार कौन है? जब तक इस साजिश की पूरी कड़ियों को नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक ऐसे खतरों को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता। इसके अतिरिक्त, इस घटना से सीख लेते हुए प्रशासनिक और सुरक्षा स्तर पर व्यापक सुधारों की तत्काल आवश्यकता है। प्रथम, उच्च-सुरक्षा आयोजनों के दौरान उपयोग किए जाने वाले सभी प्रकार के प्रवेश पासों और पहचान-पत्रों में क्यूआर कोड, बायोमेट्रिक सत्यापन और होलोग्राम जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का अनिवार्य समावेश होना चाहिए, ताकि मौके पर ही उनकी प्रमाणिकता जांची जा सके। द्वितीय, स्थानीय स्तर पर अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री और फर्जी दस्तावेज बनाने वाले रैकेट पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। तृतीय, राज्य पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सूचनाओं के आदान-प्रदान और समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करना होगा। राजनीतिक रैलियां लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा हैं, जहां नेता जनता से सीधे संवाद करते हैं। लेकिन वीआईपी सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जा सकता। मुंबई में पकड़े गए संदिग्धों की यह घटना सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चेतावनी है। गनीमत रही कि समय रहते खतरा टल गया, लेकिन हर बार किस्मत सुरक्षा घेरे की खामियों को नहीं ढक सकती। पीएमओ का फर्जी कार्ड बनाने से लेकर तमाम घटनाचक्र गंभीरता से जांच का विषय है देश के दुश्मन ऐसे किसी भी षड्यंत्र की आड़ में अप्रिय वारदात को अंजाम दे सकते हैं इस से इंकार नहीं किया जा सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

गंभीर हो रहे हों टॉन्सिलाइटिस... तो डॉक्टर दे सकते हैं सर्जरी की सलाह

गले में बार-बार दर्द, सूजन, बुखार और खाना निगलने में परेशानी हो तो अक्सर लोग टॉन्सिल्स को इसकी वजह मान लेते हैं। कई बार लगातार होने वाले टॉन्सिलाइटिस के कारण यह सवाल भी उठता है कि क्या अब टॉन्सिल्स का ऑपरेशन करा लेना चाहिए? हालांकि हर बार गले में इंफेक्शन होने पर सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। कई मामलों में दवाओं और उचित देखभाल से समस्या नियंत्रित हो जाती है। लेकिन अगर टॉन्सिलाइटिस बार-बार और गंभीर हो रहे हों और इसका असर स्कूल, ऑफिस या रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ने लगे, तो डॉक्टर सर्जरी पर विचार कर सकते हैं।

मैयोक्लीनिक के मुताबिक टॉन्सिल्स गले के पीछे मौजूद लिम्फेटिक टिशू के दो छोटे हिस्से होते हैं। ये शरीर के इम्यून सिस्टम का हिस्सा हैं और मुंह तथा नाक के रास्ते शरीर में प्रवेश करने वाले कुछ कीटाणुओं को पहचानने में भूमिका निभाते हैं। बच्चों में टॉन्सिल्स का इम्यून सिस्टम खासतौर पर सक्रिय हो सकता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ इनका आकार और उनकी भूमिका बदल सकती है। इसलिए केवल टॉन्सिल्स का बड़ा होना अपने आप में ऑपरेशन का कारण नहीं माना जाता।

क्लीवलैंड क्लीनिक के मुताबिक टॉन्सिलेक्टॉमी एक सर्जिकल प्रक्रिया है और किसी भी सर्जरी की तरह इसमें भी जोखिम होते हैं। इसलिए अगर इंफेक्शन कभी-कभार होता है और उपचार से ठीक हो जाता है, तो आमतौर पर टॉन्सिल्स को निकालने की जरूरत नहीं होती। विशेष रूप से उन बच्चों को कुछ समय के लिए रूकने की सलाह दे जा सकती है, जिनमें बार-बार होने वाले गले के इंफेक्शन की संख्या निर्धारित संख्या से कम होती है। इसका एक कारण यह भी है कि उम्र के साथ कई बच्चों में बार-बार होने वाले गले का इंफेक्शन धीरे-धीरे अपने आप कम हो सकता है। कई पुराने क्लीनिकल दस्तावेजों में में भी ऐसे बच्चों का एक हिस्सा देखा गया जो कुछ समय तक इंतजार करने के बाद सर्जरी के लिए निर्धारित नियमों को पूरा नहीं करते रहे थे।

हर बार टॉन्सिल होने पर सीधा ऑपरेशन नहीं किया जाता है। कई लोगों में इंफेक्शन समय के साथ और उचित मेडिकल इलाज से नियंत्रित हो सकता है। खासकर बच्चों में निर्धारित निर्देशों के बाद ही सर्जरी की जाती है। यदि किसी भी व्यक्ति को बार-बार गले में दर्द हो रहा है तो वह खुद से दवा न लें। इसके लिए आप तुरंत ईएनटी स्पेशलिस्ट से संपर्क करें और सही इलाज कराएं।

निशाना

दिल्ली अब कैसे पहुंचोगे

ब्रजकिशोर पटेल

बदली कड़ कड़ कड़क रही।
नाक समय की सुड़क रही।।
काम ना आएंगी सौगातें।
महंगाई यों भड़क रही।।
सूरज तक के घर की राहें।
अंधियारे में मुड़क रही।।
सेवक बैठे स्वामी बन के।
भारत माता कुड़क रही।।
चुनाव अभी दूर है थोड़ा।
सांसें फिर भी धड़क रही।।
लुढ़क रही सत्ता की कुर्सी।
गेंद कोई ज्यों लुढ़क रही।
दिल्ली अब कैसे पहुँचोगे।
सडक सियासी तड़क रही।।

न्यू अराइवल

वन प्लस ला रहा है अपना सबसे सस्ता फोन! कंपनी की ओर से डिजाइन आया सामने

वन प्लस ने हाल ही में भारत में अपनी ह्न-सीरीज पेश की थी, जिसने कंपनी की सबसे सस्ती स्मार्टफोन लाइनअप के तौर पर जगह ली है। इस बजट लाइनअप में फिलहाल OnePlus N6 और OnePlus N6x शामिल हैं, जिसमें N6× मॉडल कम कीमत वाले ब्रैकेट में आता है। कंपनी ने हाल ही में एलान किया था कि वह एक नए फोन OnePlus N6 Lite को जोड़कर OnePlus N6 लाइनअप का विस्तार करने जा रही है। अब कंपनी ने आने वाले इस हैंडसेट के डिजाइन और कलर ऑप्शन्स को टीज करना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि OnePlus N6 Lite टेक फर्म के नए एंट्री-लेवल मॉडल के तौर पर OnePlus N6x की जगह लेगा।

OnePlus N6 Lite के लिए बनाई गई डेडिकेटेड माइक्रोसाइट को अपडेट कर दिया गया है, जिससे आने वाले बजट स्मार्टफोन का डिजाइन और कलर्स सामने आ गए हैं। OnePlus N-सीरीज का ये हैंडसेट ब्लैक और ग्रीन कलर ऑप्शन्स में नजर आ रहा है। इसमें फ्लैट रियर पैनल दिखाया गया है, जिसके टॉप-लेफ्ट कोने में स्क्वायर-शेप्ड कैमरा मॉड्यूल है। फोन के कैमरा आइलैंड के अंदर दो कटआउट्स भी दिखते हैं, जो इसके डुअल कैमरा सिस्टम के लिए हो सकते हैं।

चूंकि, फोन के एंट्री-लेवल मॉडल होने की उम्मीद है, इसलिए फोन में लाइट सेंसर के साथ सिंगल रियर कैमरा भी दिया जा सकता है। इसके अलावा, OnePlus N6 Lite के पावर बटन और वॉल्यूम कंट्रोल्स इसके राइट साइड दिए जाएंगे, जबकि लेफ्ट साइड को पूरी तरह खाली रखा जा सकता है। इसमें मेटल जैसी फिनिश वाला फ्लैट प्लास्टिक मिड-फ्रेम देखने को मिलता है। सब जानते हैं कि OnePlus N6 Lite जल्द ही भारत में लॉन्च किया जाएगा। इस स्मार्टफोन की सेल देश में Amazon के जरिए होने की पुष्टि हो चुकी है। हालांकि सही लॉन्च डेट, स्पेसिफिकेशन्स, फीचर्स और कीमत की डिटेल्स अभी सामने नहीं आई हैं और आने वाले दिनों में इनका एलान किया जा सकता है। जैसा कि पहले बताया गया है, OnePlus N6 Lite ब्रांड के सबसे किफायती फोन के तौर पर OnePlus N6x की जगह ले सकता है।

रिकैप के तौर पर देखें तो OnePlus N6x को 31 जुलाई को भारत में 4GB + 64GB रैम और स्टोरेज वाले बेस वेरिएंट के लिए 18,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया गया था।

वायरल कंटेंट

20 साल की उम्र में भारत आई जर्मन महिला अब 2500 से ज्यादा गायों की करती हैं सेवा

कभी दुनिया घूमने निकली एक जर्मन युवती ने शायद खुद भी नहीं सोचा होगा कि भारत की एक यात्रा उसकी पूरी जिंदगी की दिशा बदल देगी। 1978 में महज 20 साल की उम्र में जर्मनी के बर्लिन से भारत आईं फ्रेडरिके इरिना ब्रूनिंग आज 'सुदेवी माता जी' के नाम से जानी जाती हैं। उनका जीवन आध्यात्मिक खोज से शुरू हुआ और आगे चलकर बीमार, घायल और बेसहारा गायों की सेवा को समर्पित हो गया।

भारत आने के बाद फ्रेडरिके की रुचि यहां की आध्यात्मिक परंपराओं और योग में बढ़ने लगी। भगवद्गीता से प्रभावित होकर उन्होंने गुरु की तलाश शुरू की और आखिरकार मथुरा के राधा कुंड पहुंचीं। यहां उन्होंने अपने गुरु से दीक्षा ली और करीब दो दशक तक आध्यात्मिक साधना में समय बिताया। इसी दौरान उन्हें 'सुदेवी दासी' नाम मिला। लेकिन उनकी जिंदगी में असली मोड़ तब आया, जब एक पड़ोसी की सलाह पर उन्होंने एक गाय खरीदी। इसके बाद गायों के प्रति उनका लगाव लगातार बढ़ता गया। उन्होंने देखा कि बूढ़ी, बीमार और दूध न देने वाली कई गायों को लोग बेसहारा छोड़ देते हैं।

घायल बछड़े ने बदल दी जिंदगी: एक घायल बछड़े को देखकर सुदेवी माता जी का मन विचलित हो गया। वह बछड़ा गंभीर रूप से घायल था और उसकी हालत बेहद खराब थी। उन्होंने उसे अपने पास लाकर इलाज और देखभाल शुरू की। यही घटना आगे चलकर उनके जीवन के सबसे बड़े उद्देश्य की शुरुआत बनी।

धीरे-धीरे उन्होंने राधा कुंड में सुरभि गौशाला की स्थापना की। शुरुआत एक-दो गायों से हुई थी, लेकिन समय के साथ यहां बीमार, घायल और छोड़ी गई गायों की संख्या बढ़ती गई। मौजूदा रिपोर्टों के मुताबिक, गौशाला में अब 2,500 से ज्यादा गायों की देखभाल की जा रही है।

सुदेवी माता जी ने इस सेवा को चलाने के लिए लंबे समय तक जर्मनी में अपनी संपत्ति से मिलने वाली आय का इस्तेमाल किया। उनके लिए गौशाला सिर्फ एक संस्था नहीं, बल्कि उन जानवरों का घर है जिन्हें समाज ने छोड़ दिया। उनकी इसी निस्वार्थ सेवा को देखते हुए भारत सरकार ने वर्ष 2019 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया। आधिकारिक पद्म पुरस्कार सूची में उनका नाम सामाजिक कार्य की श्रेणी में दर्ज है।

‘रोड नहीं तो वोट नहीं’... रात 1.30 बजे तक कलेक्ट्रेट पर डटे ग्रामीण

6.5 घंटे के धरने के बाद बनी बात, 15 दिन में सड़क सुधार और तीन माह में नई सड़क की वित्तीय स्वीकृति का भरोसा

नर्मापुर?म। दोपहर मेट्रो

नानपा-कुल्हड़ा सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश शुक्रवार देर रात तक जारी रहा। कलेक्ट्रेट गेट के सामने करीब साढ़े छह घंटे चले धरने के बाद रात 1.30 बजे प्रशासन के लिखित आश्वासन पर आंदोलन समाप्त हुआ। किसान नेता राकेश गौर और आंदोलन का नेतृत्व कर रहे यतेंद्र सिंह राठौड़ ने एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह और सिटी मजिस्ट्रेट सीमा बडोले को तीन शर्तें सौंपीं। प्रशासन ने मांगों पर कार्रवाई का भरोसा दिया। ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल शनिवार शाम कलेक्टर सोमेश मिश्रा से मुलाकात करेगा।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि तीन माह में मांगों पर अमल नहीं

हुआ तो अगला आमरण अनशन गांव में ही किया जाएगा। ग्रामीणों ने साफ कहा कि इसके बाद वे प्रशासन के पास आंदोलन करने नहीं आएंगे। साथ ही चुनाव बहिष्कार और ‘रोड नहीं तो वोट नहीं’ अभियान चलाने की चेतावनी दी गई है।

विधायक और सांसद को नहीं आने देंगे गांव

वार्ता के दौरान राकेश गौर और यतेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि यदि प्रशासन अपने आश्वासन से पीछे हटता है तो विधायक और सांसद को गांव में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। अगले साल होने वाले चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा। ग्रामीण गांव-गांव जाकर ‘रोड नहीं तो वोट नहीं’ का संदेश देने की बात भी कह चुके हैं। एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि समझाइश के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया है। उन्होंने तीन माह का समय दिया है। प्रशासन ग्रामीणों की तीनों शर्तों को पूरा कराने के प्रयास करेगा। ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल की कलेक्टर से मुलाकात भी कराई जाएगी।

दिनभर पैदल मार्च, रात में कलेक्ट्रेट गेट पर धरना

डोलरिया तहसील के नानपा-कुल्हड़ा मार्ग की जर्जर हालत के विरोध में ग्रामीण पिछले तीन दिन से आंदोलन कर रहे हैं। शुक्रवार को महिलाएं, विद्यार्थी और सैकड़ों ग्रामीण मां नर्मदा का पूजन-अर्चन कर नानपा से पैदल जिला मुख्यालय पहुंचे। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने सड़क के गड्ढों और कीचड़ में लेटकर विरोध जताया। रात में ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट गेट पर ही चूल्हा जलाकर खाना बनाया और धरना जारी रखा। आंदोलन बढ़ता देख प्रशासन ने तत्काल सड़क के गड्ढों में गिट्टी और मुरम डालकर अस्थायी सुधार कार्य शुरू कराया। हालांकि ग्रामीणों ने इसे नाकाफी बताया। उनका कहना था कि उन्हें अस्थायी मरम्मत नहीं, बल्कि सड़क का स्थायी और गुणवत्तापूर्ण डामरीकरण चाहिए।

ग्रामीणों की तीन प्रमुख शर्तें

-नानपा-कुल्हड़ा मार्ग की नई सड़क के लिए तीन माह में वित्तीय स्वीकृति दिलाई जाए।
-मौजूदा बदहाल सड़क को 15 दिन में आवागमन लायक बनाया जाए।
-टिगरिया से नानपा तक स्वीकृत सड़क का काम जल्द शुरू कराया जाए।

चार साल से बदहाल सड़क, आपात सेवाएं भी प्रभावित

करीब चार किलोमीटर लंबा नानपा-कुल्हड़ा मार्ग नानपा, कुल्हड़ा सहित आसपास के कई गांवों के किसानों, विद्यार्थियों और ग्रामीणों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। ग्रामीणों के मुताबिक यह नर्मदा परिक्रमा का प्रमुख पैदल मार्ग भी है। पिछले चार वर्षों से सड़क बदहाल है और लगातार शिकायतों के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हुआ।

नानपा-कजलास में खुलेंगी नई रेत खदानें, 30 हेक्टेयर में होगा खनन

नर्मदापुरम। मप्र स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने जिले में दो नवीन रेत खदानें घोषित की हैं। इनमें डोलरिया तहसील के ग्राम नानपा और कजलास शामिल हैं। जारी विवरण के अनुसार नानपा के खसरा नंबर 01 की कुल 78.873 हेक्टेयर जमीन में से 15 हेक्टेयर और कजलास के खसरा नंबर 103 की कुल 53.393 हेक्टेयर जमीन में से 15 हेक्टेयर क्षेत्र रेत खदान के लिए निर्धारित किया गया है। इस तरह दोनों स्थानों पर कुल 30 हेक्टेयर क्षेत्र में रेत खनन प्रस्तावित है। नवीन खदानों को मध्यप्रदेश रेत (खनन, परिवहन, भंडारण एवं व्यापार) नियम-2019 के संशोधित नियम-2023 के प्रावधानों के तहत नर्मदापुरम-2 रेत समूह में शामिल किया गया है।

न्यूज विंडो

माटी से तैयार की गणेश प्रतिमाएं, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

तेन्दूखेड़ा। मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड के तत्वावधान में सेक्टर तेजगढ़ के ग्राम हररई में ‘माटी गणेश, सिद्ध गणेश–घर-घर गणेश, हर घर गणेश’ अभियान के तहत मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण प्रशिक्षक सतीश चक्रवर्ती ने दिया। कार्यक्रम में एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं के साथ प्रस्फुटन समिति के जितेंद्र यादव, रामदास यादव, शंकर सिंह, तेजगढ़ से संकेत नामदेव, पत्रलोनी से देवेंद्र विश्वकर्मा, समदई से विनीत दुबे, नवांकुर संस्था सुरसरि ज्ञान भारती से रामकुमार सहित नवांकुर सखियों ने सहभागिता की।

42 वन खंडों को आरक्षित वन बनाने की प्रक्रिया तेज, पटवारी-बीट गार्ड सीमांकन

नर्मदापुरम। सिवनी मालवा तहसील क्षेत्र के 42 वन खंडों को संरक्षित वन श्रेणी से आरक्षित वन घोषित करने की प्रक्रिया अब तेज होगी। इसे लेकर शुक्रवार को जनपद सभाकक्ष में वन व्यवस्थापन की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व और वन विभाग के अधिकारियों ने अभिलेखों के परीक्षण से लेकर मौके पर सीमांकन और भौतिक सत्यापन तक की कार्ययोजना तय की। बैठक की अध्यक्षता एसडीएम विजय राय ने की। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शोभित जोशी भी मौजूद रहे। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी 42 वन खंडों के राजस्व और वन अभिलेख, नक्शे तथा सीमाओं का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए। इसके बाद संबंधित हल्का पटवारी और बीट गार्ड की संयुक्त टीमें मौके पर पहुंचकर भौतिक सत्यापन और सीमांकन का काम पूरा करेंगी।

एम्बुलेंस में ओवरचार्जिंग पर सख्ती फिटनेस फेल तो चालान, 2 बसें जब्त

नर्मदापुरम। मरीजों और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने शुक्रवार को सघन जांच अभियान चलाया। आरटीओ प्रमोद कापसे ने जिला अस्पताल परिसर के आसपास एम्बुलेंस और बस स्टैंड पर यात्री बसों की जांच की। कार्रवाई के दौरान वैध फिटनेस प्रमाण-पत्र नहीं मिलने पर एक एम्बुलेंस का चालान किया गया, जबकि टैक्स जमा नहीं होने और वैध परमिट प्रस्तुत नहीं करने पर दो यात्री बसों को जब्त किया गया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर आरटीओ के नेतृत्व में जिला अस्पताल परिसर में रात के समय औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान एम्बुलेंस संचालकों को मरीजों और उनके परिजनों से निर्धारित शुल्क से अधिक राशि नहीं लेने की हिदायत दी गई। आरटीओ ने कहा कि आपात स्थिति में मरीज को अस्पताल पहुंचाने वाली एम्बुलेंस सेवा बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए संचालकों को नियमों के साथ मानवीय संवेदनशीलता का भी ध्यान रखना चाहिए।

जर्जर ओवरहेड टैंक से रिस रहा पानी, नपा को हैंडओवर नहीं हुई कॉलोनी

बेतवा कॉलोनी में 120 परिवार सड़क पानी, सीवेज की समस्या से हैं परेशान

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मेहनत-मजदूरी की कमाई से घर का सपना पूरा करने वाले बेतवा कॉलोनी के करीब 120 परिवार 15 साल बाद भी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। कॉलोनी में सड़क, नाली, सीवेज और पेयजल की व्यवस्था बदहाल है। बारिश में सड़कें कीचड़ में बदल जाती हैं और सीवेज का गंदा पानी रास्तों पर फैलने से आवागमन मुश्किल हो जाता है। कई जगह नालियां नहीं हैं और सीवेज चेंबर खुले पड़े हैं। खाली प्लॉटों में कचरा जमा होने से मच्छरों और जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा भी बना हुआ है।

कॉलोनी में करीब एक लाख लीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक भी जर्जर हो चुका है। रहवासियों के अनुसार टैंक से कई जगह पानी टपक रहा है। पेयजल पाइपलाइन भी कई स्थानों पर जमीन से बाहर है, जिसे रहवासी स्वयं दुरुस्त कराते हैं। इससे पानी दूषित होने की आशंका बनी रहती है। इंदौर के भागीरथपुरा हादसे के बाद दिसंबर में प्रशासनिक अधिकारियों ने कॉलोनी का निरीक्षण कर पंचनामा बनाया था, लेकिन रहवासियों के अनुसार इसके बाद भी स्थायी सुधार नहीं हुआ। कॉलोनी अब तक नगर पालिका को हैंडओवर नहीं हुई है और मेंटेनेंस का खर्च

भी रहवासी उठा रहे हैं। रहवासियों ने जर्जर टैंक की जांच, सड़क-नाली और सीवेज की स्थायी व्यवस्था तथा कॉलोनी को नगर पालिका को हस्तांतरित करने की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। बिल्डर अनिल जैन ने बताया कि काम शुरू है, लेकिन मजदूरों की कमी के कारण गति धीमी है। रहवासियों का कहना है कि 15 साल बाद अब उन्हें आश्वासन नहीं, जमीन पर काम चाहिए। कॉलोनी में बना करीब एक लाख लीटर क्षमता का ओवरहेड टैंक 15 साल से अधिक पुराना बताया जा रहा है। रहवासियों के अनुसार टैंक अब जर्जर स्थिति में पहुंच गया है और कई स्थानों से पानी रिस रहा है। टैंक की स्थिति को लेकर रहवासियों में सुरक्षा और पेयजल की गुणवत्ता को लेकर चिंता बनी हुई है। कॉलोनी में बिछी पेयजल पाइपलाइन भी कई जगह जमीन से बाहर निकल आई है। पाइपलाइन में खराबी आने पर रहवासी अपने स्तर पर उसकी मरम्मत कराते हैं। बारिश के दौरान आसपास कीचड़ और सीवेज का पानी जमा होने से पेयजल लाइन के दूषित होने की आशंका भी जताई जा रही है। रहवासियों ने टैंक की तकनीकी जांच कराने और पेयजल व्यवस्था को सुरक्षित बनाने की मांग की है।

नपा को हैंडओवर नहीं, रहवासी उठा रहे मेंटेनेंस का खर्च

बेतवा कॉलोनी के रहवासियों का कहना है कि 15 साल बाद भी कॉलोनी नगर पालिका को हस्तांतरित नहीं की गई है। सड़क, नाली, सीवेज और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं का खर्च भी रहवासियों को ही उठाना पड़ रहा है। रहवासियों के अनुसार मेंटेनेंस के लिए राशि देने के बावजूद सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं। सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न स्तरों पर शिकायतें करने के बाद भी स्थायी समाधान नहीं हुआ। रीसेल प्लॉट की एनओसी और डेवलपमेंट चार्ज के नाम पर करीब 50 हजार रुपए लिए जाने का आरोप भी लगाया गया है।

सार्थक एप के विरोध में पंचायत सचिव-सहायक सचिवों ने सौंपा ज्ञापन

तेन्दूखेड़ा। सार्थक एप से उपस्थिति दर्ज कराने की अनिवार्यता और अगस्त माह का वेतन रोके जाने के विरोध में दमोह जिले के पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव शुक्रवार से अनिश्चितकालीन काम बंद, कलम बंद हड़ताल पर चले गए। कर्मचारियों ने जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीजी गोस्वामी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

संगठन ने कहा कि यदि पूरे मध्यप्रदेश में मैदानी स्तर पर कार्यरत सभी विभागों के कर्मचारियों के लिए सार्थक एप से उपस्थिति अनिवार्य की जाती है तो पंचायत सचिव और सहायक सचिव भी इसका पालन करने को तैयार हैं। आपत्ति केवल दमोह जिले में विशेष रूप से इन्हीं कर्मचारियों पर इसे लागू किए जाने को लेकर है। संगठन ने इसे विसंगतिपूर्ण और भेदभावपूर्ण बताया। ज्ञापन में कहा गया कि अगस्त में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सचिव और सहायक सचिवों ने पंचायतों में अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन किया। इसके बावजूद केवल सार्थक एप पर उपस्थिति दर्ज नहीं होने के आधार पर वेतन रोकना न्यायसंगत नहीं है। संगठन के अनुसार इस संबंध में 7 सितंबर को जिला पंचायत सीईओ को आवेदन दिया गया था, लेकिन अब तक सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। इससे कर्मचारियों में असंतोष के साथ आर्थिक संकट की स्थिति भी बनी हुई है।

ठेकेदार ने लगाया 10 हजार से ज्यादा के नुकसान का आरोप

नई सीसी सड़क बनी, नर्मदा जल की लीकेज ने कुछ ही घंटों में उखाड़ दी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में नर्मदा जल आपूर्ति व्यवस्था में लापरवाही का खामियाजा अब नवनिर्मित सीसी सड़क को भुगतना पड़ा। ब्लॉक कॉलोनी के पास नई जल लाइन की वॉल से लीकेज होने के कारण पानी सड़क के नीचे और आसपास फैल गया। जल सप्लाई शुरू होते ही करीब 5 से 6 फीट नवनिर्मित सीसी सड़क खराब हो गई। ठेकेदार ने इस लापरवाही से 10 हजार रुपए से अधिक का नुकसान होने का दावा किया है।

जानकारी के अनुसार पाटन के आगे गुरुवार रात बिजली लाइन में फॉल्ट होने से नगर की जल सप्लाई बंद रही। शुक्रवार दोपहर बिजली बहाल होने के बाद वार्ड क्रमांक 11 और 12 में शाम करीब 5 बजे जल सप्लाई शुरू की गई। इसी दौरान ब्लॉक कॉलोनी के पास नई बिछाई गई जल लाइन की वॉल

से पानी का रिसाव शुरू हो गया। देखते ही देखते पानी सड़क पर आ गया और हाल ही में बनाई गई सीसी सड़क क्षतिग्रस्त हो गई।

कॉलोनी के रहवासियों के अनुसार नर्मदा जल कर्मचारियों ने गुरुवार रात वॉल लगाने के बाद गड्ढे को बिना जल सप्लाई चालू कर जांचे ही मिट्टी से बंद कर दिया था। यदि वॉल की जांच कर ली जाती तो लीकेज का पता पहले ही चल जाता। अगले दिन सीसी सड़क का निर्माण कराया गया और शाम को सप्लाई शुरू होते ही सड़क खराब हो गई। ठेकेदार राजीव जैन ने बताया कि नर्मदा जल कर्मचारियों की लापरवाही से 10 हजार रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। करीब 5 से 6 फीट सीसी सड़क खराब हो गई है। अब इसकी भरपाई कौन करेगा, यह सवाल है। नगर परिषद के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि नर्मदा जल विभाग को नोटिस जारी किया जाएगा। जितनी सीसी सड़क खराब हुई है, उसका निर्माण नर्मदा जल विभाग द्वारा ही कराया जाएगा।

बेसमेंट बनाया है तो भुगतना होगा नपा ने भवन स्वामी को थमाया नोटिस

तीन दिन में जवाब नहीं दिया तो होगी कार्रवाई

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद मंडीदीप ने भवन अनुज्ञा की शर्तों के विपरीत तलघर (बेसमेंट) निर्माण किए जाने के मामले में संबंधित भवन स्वामी लवली गुप्ता वार्ड नं 22 को नोटिस जारी किया है। नपा ने तीन दिवस के भीतर कार्यालय में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित अवधि में जवाब नहीं देने पर एकतरफा कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। नगर पालिका द्वारा 10 सितंबर को जारी नोटिस में बताया गया है कि संबंधित भवन के लिए पूर्व में भवन अनुज्ञा जारी की गई थी। इसमें भू-तल एवं प्रथम तल पर निर्माण कार्य किए जाने की अनुमति निर्धारित शर्तों के अधीन दी गई थी। इसके बावजूद भवन में अनुज्ञा के विपरीत तलघर का निर्माण कार्य किए जाने की बात सामने आई है। नपा के

अनुसार यह कृत्य भवन अनुज्ञा की शर्त क्रमांक 27 का उल्लंघन है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि ऐसी स्थिति में भवन अनुज्ञा स्वतः निरस्त होने का प्रावधान है। नगर पालिका ने संबंधित पक्ष को अपना पक्ष रखने का अवसर देते हुए तीन दिवस के भीतर आवश्यक दस्तावेज एवं साक्ष्य के साथ कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित समय में संबंधित पक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं करता है तो कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन जीवन के चार सूत्रों का संदेश; बोले- चिंता नहीं, भगवान का चिंतन करें

अस्थियां बिखरने से पहले समेट लें आस्था : पंडित विपिन बिहारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर की गौशाला में अयोध्यावासी सोनी परिवार के तत्वावधान में 9 से 15 सितंबर तक आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास एवं गौ पीठाधीश्वर पंडित विपिन बिहारी दास ने श्रद्धालुओं को जीवन के मूल्यों और आध्यात्मिक चिंतन का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपनी अस्थियां बिखरने से पहले अपनी आस्था को समेट लेना चाहिए।

पंडित दास ने जीवन के चार सूत्र

बताते हुए कहा कि परेशानी आए तो ईमानदार रहें, धन आए तो सरल रहें, अधिकार मिले तो विनम्र रहें और क्रोध आए तो शांत रहें। उन्होंने कहा कि मनुष्य को हमेशा मधुर वाणी और विनम्र व्यवहार अपनाना चाहिए। जीवन में सुख-दुख आते-जाते रहते हैं और संसार में किसी व्यक्ति के पास सब कुछ नहीं है। वास्तविक सुख भगवान की प्राप्ति और उनके चिंतन में है। उन्होंने समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए कहा कि शराब जैसी बुराइयां परिवार और समाज दोनों को प्रभावित करती हैं। उन्होंने नशे से दूर रहने की अपील को भी सामाजिक हित में जरूरी बताया। कथा के दौरान चिंता और चिता का अंतर समझाते हुए उन्होंने कहा कि चिता मृत व्यक्ति को जलाती है, जबकि चिंता जीवित व्यक्ति को भीतर से कमजोर करती है। इसलिए मनुष्य को चिंता छोड़कर भगवान का चिंतन करना चाहिए। भगवान पर विश्वास रखने वाले व्यक्ति के जीवन की चिंता स्वयं भगवान करते हैं। उन्होंने राजा परीक्षित और सुखदेव महाराज के प्रसंग के माध्यम से बताया कि मृत्यु से पूर्व भगवान का चिंतन और कथा श्रवण जीवन को सार्थक दिशा दे सकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को ध्यान और आराधना की विधि बताते हुए कहा कि एकांत में स्थिर होकर इंद्रियों को केंद्रित करना चाहिए और प्रकृति की सुंदरता में उसके रचयिता परमात्मा का चिंतन करना चाहिए। कथा के दौरान सृष्टि की उत्पत्ति और पृथ्वी की रचना से जुड़े प्रसंग भी सुनाए गए। पंडित दास ने कहा कि भगवान की प्रत्येक लीला में जीव के कल्याण का भाव निहित है।

मशीन की चपेट में आया मजदूर हाथ में गंभीर चोट, भोपाल रेफर

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगर मंडीदीप स्थित बद्री कंपनी में शुक्रवार सुबह मशीन पर काम करते समय एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में मजदूर का बायां हाथ मशीन की चपेट में आ गया, जिससे कोहनी के नीचे के हिस्से में गंभीर चोट आई। घटना के बाद उसे तत्काल मंडीदीप के साईं अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उसे भोपाल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच हुआ। मजदूर रोहित विश्वकर्मा पिछले तीन-चार वर्षों से कंपनी में कार्यरत बताया जा रहा है। घटना के समय वह नाइट शिफ्ट में मशीन पर काम कर रहा था। इसी दौरान उसका हाथ मशीन की चपेट में आ गया। कंपनी के कर्मचारियों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय स्तर पर कंपनी में काम करने वाले श्रमिकों को ईएसआईसी और पीएफ की सुविधा नहीं मिलने की बात सामने आई है। हालांकि, इसकी स्वतंत्र अथवा आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

कोतमा में कथित अवैध पैकिंग और पुष्पराजगढ़ में 'पेलन-मसाला' को लेकर शिकायतें

अवैध शराब का कथित खेल बेखौफ, 57 लीटर जब्ती के बीच बड़े नेटवर्क पर उठे सवाल

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

सागर में जहरीली शराब से जुड़ी घटना के बाद प्रदेशभर में अवैध शराब के कारोबार को लेकर चिंता बढ़ी है। इसी बीच अनूपपुर जिले में कथित अवैध शराब निर्माण, पैकिंग और बिक्री की शिकायतों ने आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग के अनुसार 1 से 9 सितंबर के बीच 13 प्रकरण दर्ज कर 57 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त की गई। हालांकि, दूसरी ओर जिले के कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध शराब कारोबार की शिकायतें सामने आने का दावा किया जा रहा है।

रामनगर थाना क्षेत्र में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा से लगे जंगल और नदी किनारे कच्ची शराब बनाए जाने की शिकायतें हैं। सवाल है कि इन स्थानों पर कितने औचक निरीक्षण हुए और कितने नमूने जांच के लिए भेजे गए? कोतमा क्षेत्र में अंग्रेजी शराब की कथित अवैध पैकिंग और पुष्पराजगढ़ में 'पेलन-मसाला' नाम से पैकिंग की शिकायतों ने भी जांच की मांग बढ़ा दी है। प्रशासन को यह पता लगाना होगा कि कच्चा माल कहां से आता है, पैकिंग सामग्री कौन उपलब्ध कराता है, शराब कहां तैयार और संग्रहित होती है तथा बाजार तक कैसे पहुंचती है। अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई केवल छोटी मात्रा की जब्ती तक सीमित न रहकर पूरे कथित नेटवर्क की जांच तक पहुंचनी चाहिए। संदिग्ध शराब के नमूनों की अधिकृत प्रयोगशाला में जांच और निर्माण स्थलों की निगरानी से वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। सवाल यही है कि प्रशासन किसी बड़ी घटना के बाद जागेगा या उससे पहले?

जंगल और नदी किनारे कथित कच्ची शराब का कारोबार

रामनगर थाना क्षेत्र में मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सीमा से लगे जंगल और नदी किनारे कथित रूप से कच्ची शराब तैयार किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय स्तर पर यह दावा किया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर नियमित रूप से बड़ी मात्रा में शराब तैयार होती है। यदि शिकायतों में तथ्य हैं तो मामला केवल किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं, बल्कि बड़े नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। ऐसे में आबकारी विभाग और प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इन स्थानों पर औचक निरीक्षण, संदिग्ध ठिकानों की जांच और शराब के नमूने प्रयोगशाला भेजने की जरूरत है। साथ ही यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि शराब बनाने के लिए कच्चा माल कहां से आता है और तैयार शराब को किन माध्यमों से आगे पहुंचाया जाता है।

57 लीटर की जब्ती से बड़े नेटवर्क का जवाब नहीं

आबकारी विभाग ने 1 से 9 सितंबर के बीच 13 प्रकरण दर्ज कर 57 लीटर हाथ भट्टी शराब जब्त करने की जानकारी दी है। विभागीय कार्रवाई अपने स्तर पर महत्वपूर्ण है, लेकिन जिले में बड़े पैमाने पर अवैध शराब निर्माण और पैकिंग की शिकायतें हैं तो केवल इतनी मात्रा की जब्ती से सभी सवाल खत्म नहीं होते। मुख्य सवाल यह है कि कार्रवाई शराब बेचने वाले तक पहुंच रही है या शराब तैयार करने वाले कथित मुख्य लोगों तक भी? कोतमा में शराब दुकान के पास हुई एक व्यक्ति की मौत के मामले ने भी स्थानीय स्तर पर शराब सेवन को लेकर चर्चा को जन्म दिया था। ऐसे में प्रशासन के सामने चुनौती है कि वह छोटी जब्तियों से आगे बढ़कर अवैध शराब की आपूर्ति और वितरण से जुड़े पूरे तंत्र की निष्पक्ष जांच करे। वहीं, कोतमा क्षेत्र में अंग्रेजी शराब की कथित अवैध पैकिंग और पुष्पराजगढ़ में 'पेलन' तथा 'मसाला' नाम से पैकिंग किए जाने की शिकायतों ने आबकारी विभाग की निगरानी पर सवाल खड़े किए हैं। यदि ऐसी गतिविधियां हो रही हैं तो जांच केवल तैयार शराब की जब्ती तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पैकिंग सामग्री, बोतल, ढक्कन, लेबल और सील कहां से आ रहे हैं, इसकी भी पड़ताल जरूरी है। इसके साथ ही यह पता लगाया जाना चाहिए कि शराब किस स्थान पर तैयार होती है, कहां रखी जाती है और किस माध्यम से बाजार तक पहुंचती है। संदिग्ध शराब के नमूने अधिकृत प्रयोगशाला भेजे जाने पर उसकी गुणवत्ता और रासायनिक संरचना की वास्तविक स्थिति भी सामने आ सकती है।

एनएच-44 के किनारे शासकीय भूमि पर चला प्रशासन का बुलडोजर

सागर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अतिक्रमण विरोधी 'जीरो टॉलरेंस' नीति और कलेक्टर प्रतिभा पाल के सख्त निर्देशों पर जिले भर में शासकीय भूमियों को कब्जा मुक्त कराने का महाअभियान पूर्ण गति से चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 (एनएच-44) के किनारे सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से काबिज माफियाओं और अतिक्रमणकारियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया है। बांदरी से लेकर मालथौन टोल टैक्स तक चलाए गए विशेष सफाई अभियान के तहत भारी पुलिस बल और जेसीबी-बुलडोजर की मदद से 20 से अधिक अवैध ढाबों, लग्जरी रेस्टोरेंट, होटलों और टपरों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया, जिससे करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय भूमि बेदखल कर मुक्त कराई गई।

प्रशासन द्वारा कराई गई पूर्व मैपिंग और सीमांकन के आधार पर बांदरी से मालथौन अनुविभाग के ग्राम पलेथनी तक हाईवे से सटी बेशकीमती जमीनों पर किए गए पक्के व अस्थाई निर्माणों को चिन्हित किया गया था। निजी स्वामित्व की आड़ में शासकीय जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों पर एक साथ एक्शन लेते हुए निम्नलिखित प्रमुख प्रतिष्ठानों को ध्वस्त किया गया। सौरभ होटल / सौरभ ढाबा (बांदरी): निजी जमीन की आड़ में हाईवे किनारे स्थित बेशकीमती शासकीय भूमि पर अवैध विस्तार किया गया था, जिसे पूरी तरह समतल कर दिया गया है।

न्यूज विंडो

पटाखा फोड़ने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर पर शिकंजा, अनूपपुर में 13 बाइक जब्त

अनूपपुर। अभियान के तहत प्रमुख तिराहों पर बुलेट वाहनों की नियमित जांच की जा रही है। पिछले कुछ दिनों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 13 मॉडिफाइड साइलेंसर जब्त किए हैं। संबंधित ड्राइवर के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई भी की गई। यातायात पुलिस द्वारा सामतपुर तिराहा, अमरकंटक तिराहा और अंडरब्रिज तिराहा सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर बुलेट वाहनों की जांच की जा रही है। चेकिंग के दौरान विशेष रूप से ऐसे वाहनों पर नजर रखी जा रही है, जिनमें कंपनी के निर्धारित मानक के विपरीत मॉडिफाइड साइलेंसर लगाए गए हैं। अलावा तेज रफ्तार और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी होती है। ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई का उद्देश्य सड़क पर शोर और असुरक्षित ड्राइविंग पर अंकुश लगाना है। यातायात पुलिस ने ड्राइवर से अपने वाहनों में निर्धारित मानक वाले साइलेंसर का ही उपयोग करने तथा सड़क पर स्टंटबाजी और लापरवाही से वाहन चलाने से बचने की अपील की है।

विस अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर खुरई में 21.11 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन

सागर। मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर आज सागर जिले के प्रवास पर हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष तोमर आज दोपहर में खुरई पहुंचेंगे, जहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। खुरई आगमन के दौरान वे कुल लागत 21.11 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे।

लोकार्पण एवं भूमिपूजन में मिडवे रिट्रीट का लोकार्पण, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगरपालिका भवन (जन सुविधा केन्द्र) का लोकार्पण, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा का अनावरण एवं पार्क का लोकार्पण, नवीन बस स्टैण्ड पर 70 दुकानों के निर्माण एवं स्थल विकास कार्य का भूमिपूजन, भगत सिंह वार्ड में 25 दुकानों के निर्माण एवं स्थल विकास कार्य का भूमिपूजन कार्यक्रम के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष तोमर सायं 4.30 बजे सागर से पन्ना के लिए रवाना होंगे।

शासकीय सेवा भूमि पर जहरीली शराब मामले के आरोपी का अवैध कब्जा ध्वस्त

प्रशासन ने अतिक्रमण मुक्त कराई 4.79 हेक्टेयर भूमि

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में शाहगढ़ के ग्राम सिमरिया उवरी में प्रशासन और राजस्व टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बंडा अवैध जहरीली शराब मामले के आरोपी चंद्रभान राजपूत द्वारा कब्जा की गई 4.79 हेक्टेयर शासकीय भूमि को मुक्त करा लिया है।

ग्राम चौकीदार की सेवा भूमि पर बोई फसल को किया नष्ट

जांच के दौरान यह बात उजागर हुई थी कि बंडा प्रकरण में संलिप्त आरोपी चंद्रभान राजपूत ने ग्राम सिमरिया उवरी में ग्राम चौकीदार की शासकीय सेवा भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा था। आरोपी द्वारा 4.56 हेक्टेयर और 0.23 हेक्टेयर (कुल 4.79 हेक्टेयर) भूमि पर अवैध रूप से खेती की जा रही थी। मामला संज्ञान में आते ही बंडा एवं शाहगढ़ प्रभारी एसडीएम संजय जैन के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस अमला मौके पर पहुंचा। टीम ने जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया और उस पर अवैध रूप से लगाई गई फसल को नष्ट कर शासकीय आधिपत्य में लिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शासकीय या सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बंडा मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की संपत्तियों और गतिविधियों की भी गहनता से जांच की जा रही है।

पातालपानी हेरिटेज स्टेशन की बिजली गुल, 8 लाख रुपए का बिल बकाया

पातालपानी। दोपहर मेट्रो

चर्चित हेरिटेज ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को पातालपानी स्टेशन पर इन दिनों परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। करीब 8 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया होने के कारण विद्युत वितरण कंपनी ने स्टेशन का कनेक्शन काट दिया है। पिछले तीन दिनों से स्टेशन की बिजली सप्लाई बंद है और पूरा काम जनरेटर के सहारे चल रहा है।

हेरिटेज ट्रेन का संचालन शुक्रवार, शनिवार और रविवार को होता है। शुक्रवार को ट्रेन का संचालन हुआ, लेकिन स्टेशन पर बिजली नहीं होने से यात्रियों को असुविधा हुई। वेटिंग रूम और वॉशरूम में अंधेरा छाया रहा। शाम और रात के समय स्थिति और मुश्किल हो जाती है। अंधेरे के कारण स्टेशन की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। डीजल और अन्य सामग्री की चोरी की आशंका भी बनी हुई है। बिजली कनेक्शन कटने के कारण स्टेशन का अनाउंसमेंट सिस्टम पूरी तरह बंद है। शाम के समय हेरिटेज ट्रेन के डिब्बों में पानी भरने के लिए भी रेलवे को जनरेटर चलाना पड़ा। इससे स्टेशन की नियमित व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं।

सागर : 50 से अधिक ढाबा और होटल-टपरों पर चला बुलडोजर

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध जिला प्रशासन का सख्त अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में मालथौन अनुविभाग के मालथौन टोल टैक्स के आसपास राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के किनारे शासकीय भूमि पर अवैध रूप से संचालित लगभग 50 से अधिक ढाबा, होटल, दुकानों एवं टपरों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई एवं करोड़ों रुपये मूल्य की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

अनुविभागीय अधिकारी सतीश वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर दुकानें एवं ढाबे संचालित किए जा रहे थे, जहां से अवैध शराब एवं नशीले पदार्थ बेचे जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। सतीश वर्मा ने बताया कि इन स्थानों से अवैध शराब व नशीले पदार्थ बेचे जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पूर्व में नोटिस देने और आज सुबह मुनादी कराकर यह कार्रवाई की गई है। अब तक कई अवैध ढाबों पर बुलडोजर चल चुका है और टोल टैक्स के आगे भी यह कार्यवाही निरंतर जारी है। बंडा तहसीलदार मोहित जैन ने कहा कि बंडा शराब प्रकरण के आरोपी मनीष लोधी द्वारा संचालित अवैध ढाबे पर भी प्रशासन ने कार्यवाही करते हुए उसे जमींदोज किया गया है।

वीबीवाएएलडी-2027 में देशभर के 3000 युवाओं को पीएम से संवाद का मिलेगा अवसर

नरसिंहपुरि। दोपहर मेट्रो

विगत दिनांक 10 सितंबर 2026 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में संस्था प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में 'माय भारत' की टीम द्वारा छात्र-छात्राओं के लिए संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी नरसिंहपुर श्री उमंग जैन ने विद्यार्थियों को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (वीबीवाएएलडी) 2027 के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। श्री उमंग जैन ने बताया कि जनवरी 2027 में आयोजित होने वाले इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम में देशभर के 3000 युवाओं को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ संवाद करने का विशेष अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को कार्यक्रम की चयन प्रक्रिया से अवगत कराते हुए बताया कि इसमें भाग लेने की प्रक्रिया 30 सितंबर 2026 तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा इस कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। प्रथम चरण में प्रतिभागियों को ऑनलाइन 10 मिनट में 20 प्रश्नों का उत्तर देकर क्विज में भाग लेना होगा। क्विज में चयनित प्रतिभागियों को द्वितीय चरण में निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इसके पश्चात तृतीय चरण में चयनित युवा पीपीटी के माध्यम से अपने विचार एवं नवाचारी सुझाव संबंधित मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता तथा विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अशोक कुमार उदेनिया, श्री राममोहन राव, श्री रामदीन ठाकुर, श्री राजकुमार लोधी एवं श्री राहुल पाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेट्रो एंकर

167 गाइडों को जैव विविधता, वन्यजीव नैतिकता, आपातकालीन चिकित्सा और प्लास्टिक मुक्त पचमढ़ी की दिलाई शपथ

जंगल दिखाने से आगे, सतपुड़ा की विरासत बचाने की जिम्मेदारी भी गाइडों पर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

पर्यटकों को जंगल की सैर कराने वाले गाइड अब केवल वन्यजीवों की जानकारी देने तक सीमित नहीं रहेंगे। उन्हें सतपुड़ा की जैव विविधता, वन्यजीव नैतिकता, आपातकालीन चिकित्सा और जिम्मेदार पर्यटन का प्रभावी संवाहक बनाने के लिए पचमढ़ी के होटल ग्लेनव्यू में दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसमें पचमढ़ी, पिपरिया बफर और देनवा बफर क्षेत्र के 167 गाइड शामिल हुए।

एसटीआर के उपसंचालक एवं जनसंपर्क अधिकारी आशीष खोबरागडे ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य गाइडों को सतपुड़ा की प्राकृतिक विरासत का जिम्मेदार प्रतिनिधि बनाना है। सहायक संचालक संजीव शर्मा ने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की विशेषताओं, पर्यटन प्रोटोकॉल और प्रकृति दूत के रूप में गाइडों की भूमिका समझाई।

डॉ. अतुल जैन ने आपातकालीन चिकित्सा और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन बदकछार क्षेत्र में गाइडों को मैदानी प्रशिक्षण कराया गया। इसके बाद डॉ. रवि उपाध्याय, एसटीआर के जीव विज्ञानी सृजन वैष्णव और प्रकृतिविद अनिमेष माना ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। समापन सत्र में क्षेत्र संचालक राखी नंदा ने वन्यजीव नैतिकता, पेड़ों के रहस्यमयी जीवन और जिम्मेदार पर्यटन पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने प्लास्टिक मुक्त पचमढ़ी अभियान की जानकारी देते हुए सभी गाइडों को अभियान सफल बनाने की शपथ दिलाई।

गाइड बनेंगे सतपुड़ा के दूत

दो दिवसीय प्रशिक्षण में गाइडों को बताया गया कि पर्यटकों को वन्यजीव दिखाने के साथ जंगल की संवेदनशीलता और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण की जिम्मेदारी भी उनकी है। उन्हें वन्यजीवों के प्रति उचित व्यवहार, पर्यटन प्रोटोकॉल और जैव विविधता की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने और प्राथमिक उपचार के तरीके भी सिखाए गए। दूसरे दिन बदकछार क्षेत्र में मैदानी प्रशिक्षण के दौरान गाइडों ने जंगल और वन्यजीवों को करीब से समझा। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने उन्हें प्रकृति संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि पर्यटकों के साथ गाइडों का व्यवहार संवेदनशील और जिम्मेदार होना चाहिए, ताकि पर्यटन के साथ-साथ सतपुड़ा की प्राकृतिक संपदा और वन्यजीवों का संरक्षण भी सुनिश्चित हो सके।

प्लास्टिक मुक्त लिया संकल्प

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर क्षेत्र संचालक राखी नंदा ने गाइडों को प्राकृतिक विरासत के प्रहरी के रूप में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने वन्यजीव नैतिकता और पेड़ों के रहस्यमयी जीवन जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया। साथ ही पचमढ़ी को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी दी।

दमोह में 120 मोडिफाइड साइलेंसर व 16 हूटर रोड रोलर से कुचले

दमोह। यातायात पुलिस द्वारा दमोह शहर की व्हीआईपी रोड पर पुलिस ने जब्त किए। मोडिफाइड साइलेंसर प्रेशर हार्न और अवैध हूटर को रोड रोलर से कुचलकर गुरुवार की दोपहर नष्ट किया। इस कार्यवाही के दौरान पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क के किनारे जमा हो गए थे। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी द्वारा इस प्रकार की पहली बार इतने बड़े पैमाने पर सैकड़ों मोडिफाइड साइलेंसर सहित अन्य प्रतिबंधित उपकरणों को नष्ट करने की कार्रवाई की गई है।

क्रिकेट के मैदान के बाद अब टीवी पर 'हिटमैन' का जलवा

रोहित के शो में श्रेयस-शार्दुल संग जमकर मस्ती, 19 को टेलीविजन पर पदार्पण

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट की पिच पर गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाने वाले रोहित शर्मा अब छोटे पर्दे पर मनोरंजन का चौका-छक्का लगाने को तैयार हैं। भारतीय क्रिकेट के इस दिग्गज का नया अवतार जल्द ही दर्शकों के सामने होगा। 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' के साथ वह पहली बार कार्यक्रम की मेजबानी करते नजर आएंगे। पर्दे पर आने से पहले ही इसकी झलक ने उत्सुकता बढ़ा दी है। कार्यक्रम के दौरान श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और अभिषेक नायर के साथ रोहित की जमकर मस्ती देखने को मिली। दोस्तों की इस महफिल ने माहौल में क्रिकेट की पुरानी यादों और ठहाकों का रंग भर दिया।

कार्यक्रम के मंच पर मस्ती की शुरुआत श्रेयस अय्यर के मजेदार तंज से हुई। उन्होंने रोहित और साथियों को छेड़ते हुए कहा, ÷रवैया तो ऐसे दिखा रहे हैं, जैसे लॉर्ड्स में इकलौते भारतीय बल्लेबाज हैं, जिसने शतक मारा है।÷ इसके बाद वहां से आवाज आई, ÷ऐसे लग रहे हैं, भारत को विश्व कप जिताकर आए हैं।÷ इन मजेदार टिप्पणियों के बीच रोहित शर्मा भी हंसी-मजाक में शामिल हो गए। देखते ही देखते मंच का माहौल किसी मनोरंजन कार्यक्रम से ज्यादा क्रिकेट खिलाड़ियों की पुरानी महफिल जैसा नजर आने लगा।

'कोई शहरी बाबू' की धुन पर थिरके क्रिकेट सितारे

माहौल तब और रंगीन हो गया, जब पुराने लोकप्रिय गीत 'कोई शहरी बाबू' की धुन बजने लगी। श्रेयस अय्यर सबसे आगे आए और वर्ष 2021 में किए अपने चर्चित नृत्य की झलक दिखाने लगे। उनके साथ शार्दुल ठाकुर भी कदम मिलाने लगे। इसके बाद अभिषेक नायर ने भी नृत्य में हिस्सा लिया। रोहित शर्मा शुरुआत में थोड़ा संकोच करते दिखाई दिए, लेकिन कुछ ही पलों बाद उन्होंने भी पीली जैकेट लहराते हुए नृत्य में कदम रख दिया। इसके बाद श्रेयस, रोहित और शार्दुल ने मिलकर वही पुराना नृत्य दोहराया, जो कभी होटल के कमरे से सामने आया था।

अब बल्ले की जगह मनोरंजन की कमान

नृत्य के बाद रोहित शर्मा ने अपने टेलीविजन पदार्पण से जुड़ा खास संयोग बताया। उन्होंने कहा कि 19 सितंबर 2007 को उनका अंतरराष्ट्रीय टी20 पदार्पण हुआ था और अब फिर 19 सितंबर को ही उनका टेलीविजन पदार्पण होने जा रहा है। करीब दो दशक बाद वही तारीख रोहित के लिए एक नई शुरुआत लेकर आ रही है। क्रिकेट की पिच से मनोरंजन की दुनिया तक उनका यह सफर निश्चित रूप से उनके प्रशंसकों के लिए खास होगा। रोहित शर्मा अब 'फैमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा' में हंसी-मजाक, खेल और चर्चित मेहमानों के साथ मनोरंजन करते नजर आएंगे। मंच पर श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर और अभिषेक नायर के साथ उनकी दोस्ती की जो झलक दिखाई दी है, उससे साफ है कि कार्यक्रम में क्रिकेट से जुड़ी यादों और खिलाड़ियों की मस्ती का भी भरपूर रंग देखने को मिलेगा।

13 सितंबर से शुरू होगी तीन मैचों की टी-20 सीरीज

अपने ही घर में मेहमान बन गई टीम इंडिया अफगानिस्तान को मिलेगा घरेलू ड्रेसिंग रूम

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को मिला आधिकारिक मेजबान का दर्जा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज कई मायनों में खास होने जा रही है। इस सीरीज में एक ऐसा दृश्य देखने को मिलेगा, जो भारतीय क्रिकेट में अब तक नहीं देखा गया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होने वाले तीनों मुकाबलों के दौरान टीम इंडिया को घरेलू टीम वाला ड्रेसिंग रूम नहीं मिलेगा। भारतीय खिलाड़ी स्टेडियम के विजिटर्स ड्रेसिंग रूम का इस्तेमाल करेंगे, जबकि अफगानिस्तान की टीम को होम टीम के ड्रेसिंग रूम में जगह मिलेगी।

मेजबानी के कारण बदली पूरी व्यवस्था- ड्रेसिंग रूम की यह व्यवस्था मैदान या भारतीय टीम की स्थिति के कारण नहीं, बल्कि सीरीज की आधिकारिक मेजबानी से जुड़ी है। इस द्विपक्षीय सीरीज की मेजबानी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर रहा है। ऐसे में प्रशासनिक तौर पर अफगानिस्तान को घरेलू टीम और भारत को मेहमान टीम माना गया है। इसी आधार पर दोनों टीमों के लिए ड्रेसिंग रूम भी निर्धारित किए गए हैं। आमतौर पर जिस देश में द्विपक्षीय सीरीज आयोजित होती है, वहां की राष्ट्रीय टीम को घरेलू टीम का दर्जा मिलता है और उसे होम ड्रेसिंग रूम उपलब्ध कराया जाता है। लेकिन इस बार व्यवस्था अलग है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की मेजबानी के चलते दिल्ली के मैदान पर भी अफगानिस्तान को घरेलू टीम की सुविधाएं मिलेंगी।

भारतीय क्रिकेट में पहली बार ऐसा नजारा

भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी असाधारण है, क्योंकि भारतीय टीम अपने ही देश में आयोजित किसी द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान पहली बार मेहमान टीम के ड्रेसिंग रूम का इस्तेमाल करेगी। हालांकि इसका असर मैदान पर भारत के प्रदर्शन या घरेलू परिस्थितियों पर नहीं पड़ेगा, लेकिन स्टेडियम के भीतर यह बदलाव क्रिकेट प्रशंसकों के लिए जरूर दिलचस्प रहेगा। भारत में आमतौर पर घरेलू टीम को ड्रेसिंग रूम, अभ्यास सुविधाओं और अन्य व्यवस्थाओं में प्राथमिकता मिलती है। इस बार प्रशासनिक मेजबानी अफगानिस्तान के पास होने के कारण भूमिकाएं उलट गई हैं।

अफगानिस्तान के लिए भारत बना घरेलू मैदान

अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के लिए भारत नया नहीं है। अफगानिस्तान अक्सर अपने अंतरराष्ट्रीय मुकाबले दूसरे देशों में आयोजित करता रहा है। देश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे और सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों के कारण उसे कई बार विदेशी या तटस्थ मैदानों का सहारा लेना पड़ता है। इसी क्रम में अफगानिस्तान पहले भारत के नोएडा, देहरादून और लखनऊ जैसे मैदानों को अपने घरेलू मुकाबलों के लिए इस्तेमाल कर चुका है। लेकिन भारत के खिलाफ भारत की जमीन पर होने वाली द्विपक्षीय सीरीज में पहली बार अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड को आधिकारिक मेजबान की भूमिका मिली है।

रमन लांबा ड्रेसिंग रूम अफगानिस्तान के पास

अरुण जेटली स्टेडियम में घरेलू टीम के लिए निर्धारित ड्रेसिंग रूम का नाम पूर्व भारतीय क्रिकेटर रमन लांबा के नाम पर है। सीरीज के तीनों मैचों में अफगानिस्तान की टीम इसी ड्रेसिंग रूम का इस्तेमाल करेगी। दूसरी ओर भारतीय टीम को प्रकाश भंडारी के नाम वाले विजिटर्स ड्रेसिंग रूम में जगह दी जाएगी। यह व्यवस्था तीनों मुकाबलों के दौरान जारी रहेगी।

भारत के लिए घरेलू परिस्थितियां फिर भी बरकरार

ड्रेसिंग रूम की व्यवस्था भले ही अलग हो, लेकिन भारतीय टीम के लिए मैदान और परिस्थितियां परिचित रहेंगी। दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम भारतीय खिलाड़ियों के लिए जाना-पहचाना मैदान है। ऐसे में ड्रेसिंग रूम बदलने का असर टीम की घरेलू परिस्थितियों पर नहीं माना जा रहा है। तीन मैचों की सीरीज में भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में होगी। अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और यश ठाकुर टीम का हिस्सा हैं। इस तरह मैदान पर भारत घरेलू परिस्थितियों में खेलेगा, लेकिन स्टेडियम के अंदर इस बार कहानी थोड़ी अलग होगी—भारत की टीम अपने ही देश में मेहमान और अफगानिस्तान घरेलू टीम की भूमिका में नजर आएगा।

मानव सुथार ने कर दिखाया ऐसा कारनामा

एक भी रन नहीं, दोनों पारियों में विकेट... 131 साल बाद हुआ ऐसा

कार्डिक एजेंसी

बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने ऐसा कारनामा कर दिखाया, जो फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वर्षों से देखने को नहीं मिला था। वॉरविकशायर की ओर से खेलते हुए सुथार ने ग्लेमॉर्गन के खिलाफ मैच की दोनों पारियों में विकेट हासिल किए, लेकिन एक भी रन खर्च नहीं किया। इस असाधारण प्रदर्शन के साथ उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में दर्ज एक बेहद खास रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में खेले गए काउंटी चैम्पियनशिप डिवीजन-1 मुकाबले में वॉरविकशायर ने ग्लेमॉर्गन को पारी और 257 रनों से हराया। वॉरविकशायर ने पहली पारी में 391 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में ग्लेमोर्गन की टीम दोनों पारियों में क्रमशः 69 और 65 रनों पर ढेर हो गई।

मानव सुथार ने पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदें फेंकी और नंबर-11 बल्लेबाज मीर हमजा को बोल्ड कर दिया। दूसरी पारी में उन्हें 24वें ओवर में गेंद थमाई गई। उन्होंने आते ही मेडन ओवर किया और अपने अगले ओवर में विकेटकीपर क्रिस कुक के अलावा जेमी मैकइलरॉय को चार गेंदों के अंदर बोल्ड कर दिया। इस तरह सुथार ने मैच में तीन विकेट लिए और उनके खिलाफ एक भी रन नहीं बना। उनके तीनों विकेट बोल्ड के जरिए आए।

मानव सुथार की उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में ऐसा सिर्फ दूसरी बार हुआ, जब किसी गेंदबाज ने एक ही मैच की दोनों पारियों में कम से कम एक विकेट लिया और एक भी रन नहीं दिया। इससे पहले इंग्लैंड के टॉम हेवर्ड ने 1895 में लीसेस्टरशायर की ओर से सरे के खिलाफ द ओवल में यह उपलब्धि हासिल की थी। हेवर्ड ने दोनों पारियों में कुल छह गेंदों के अंदर तीन विकेट झटके थे। अब सुथार ने 131 साल बाद इस दुर्लभ रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

डेब्यू पर काटा था गदर

26 वर्षीय मानव सुथार के लिए यह उपलब्धि उनके करियर का एक बड़ा अध्याय है. अफगानिस्तान के खिलाफ डेब्यू टेस्ट मैच में उन्होंने सात विकेट हासिल किए थे, जिसमें पारी में छह विकेट हॉल का प्रदर्शन भी शामिल था. इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भी सुथार ने अपनी गेंदबाजी से प्रभाव छोड़ा और 16 विकेट अपने नाम किए. भारत ने यह सीरीज 1-0 से अपने नाम की थी. मानव सुथार का यह प्रदर्शन ऐसे समय आया है, जब वॉरविकशायर की टीम मौजूदा काउंटी चैम्पियनशिप में खिताब की मजबूत दावेदार बनी हुई है. टीम 12 मैचों में 184 अंकों के साथ डिवीजन-1 में शीर्ष पर है. वॉरविकशायर दूसरे स्थान पर मौजूद समरसेट से 11 अंक आगे है. वॉरविकशायर को अब एसेक्स और लीसेस्टरशायर के खिलाफ अपने आखिरी दो मुकाबले खेलने हैं.

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बादशाह ने शादी में दिया धोखा? एक्स-वाइफ ईशा रिखी का तंज, बोलीं- रेड फ्लैग देखा

इस साल की शुरुआत में सिंगर बादशाह की पर्सनल लाइफ तब चर्चा में आई जब ईशा रिक्खी के साथ उनकी शादी की तस्वीरें ऑनलाइन सामने आईं। बाद में इस कपल ने सोशल मीडिया पर अपने अलग होने की घोषणा की। अब, ईशा सलमान खान के शो बिग बॉस 20 में एक कंटेस्टेंट हैं, जहां अलग होने के बावजूद उन्होंने बादशाह पर इशारों-इशारों में तंज कसा है।

जब घर की लड़कियों ने गुल्लू को रेड फ़्लैग (खतरनाक या गलत इंसान) कहा, तो उन्होंने कहा, क्या तुमने इतना अच्छा रेड फ्लैग देखा है? ईशा ने तुरंत जवाब दिया, मैंने अपनी जिंदगी में बहुत अच्छा रेड फ्लैग देखा है। हालांकि उन्होंने यह कहकर बात संभालने की कोशिश की कि वह अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात नहीं कर रही थीं, लेकिन घर के बाकी सदस्यों ने उन्हें चिढ़ाया और वह शरमाती हुई दिखीं।

इसके बाद ईशा ने शो में मौजूद लड़कों से पूछा, जो लोग चीट करते हैं, उनके लिए तो मूव ऑन करने का कोई गेम ही नहीं होता, है ना? आपको क्या लगता है, जो लोग चीट करते हैं उन्हें बुरा लगता है? खासकर प्लेबॉय टाइप के लोग? गुल्लू ने जवाब दिया, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्होंने किसे चीट किया है। अगर वह व्यक्ति महत्वपूर्ण था, तो भले ही वह आदमी दिखाए कि उसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा, लेकिन वह जरूर रात में बैठकर सोचता है कि मैंने गलत किया और काश चीजें ठीक हो जाती। जैसे ही यह क्लिप ऑनलाइन सामने आया, कई यूजर्स को यकीन हो गया कि ईशा बादशाह की बात कर रही थीं। एक कमेंट में लिखा था, क्या उन्होंने बादशाह को प्लेबॉय कहा? दूसरे ने कमेंट किया, लगता है वह किसी दिन उनके कॉल का इंतजार कर रही हैं।

ईशा रिक्खी और बादशाह के बारे में

रैपर बादशाह और पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिक्खी ने अपनी शादी की बात 2026 में सामने आने से पहले अपने रिश्ते को लोगों की नजरों से दूर रखा था। मार्च में शादी की तस्वीरें ऑनलाइन सामने आईं, जब ईशा की मां ने इस प्राइवेट सेरेमनी की कुछ झलकियां शेयर की। बाद में ईशा ने इंस्टाग्राम-रूके दौरान कन्फर्म किया कि उनकी शादी बादशाह से हुई थी, और उन्होंने उन्हें अपना पति देव भी कहा। हालांकि, उनकी शादी ज्यादा समय तक नहीं चली। बाद में इस कपल ने सोशल मीडिया पर एक जॉइंट स्टेटमेंट में अपने अलग होने की बात कही और अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हुए प्राइवेसी की अपील की।

अक्षय-सैफ की 'हैवान' पर दर्शक भड़के! बोले- 'इतना शोर था, लेकिन फिल्म में दम ही नहीं'

मुंबई। अक्षय कुमार और सैफ अली खान अभिनीत अपराध रोमांचक फिल्म 'हैवान' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्सुकता और चर्चा देखने को मिल रही थी, लेकिन पहले दिन सिनेमाघरों से बाहर निकले दर्शकों की प्रतिक्रिया ने निर्माताओं की चिंता बढ़ा दी है। कई दर्शकों ने फिल्म को उम्मीदों से कमजोर बताते हुए निराशा जाहिर की, जबकि कुछ ने कलाकारों के अभिनय की तारीफ भी की।

फिल्म देखकर बाहर निकले एक दर्शक ने कहा कि जिस तरह से फिल्म को लेकर माहौल बनाया गया था, पर्दे पर वैसा कुछ नजर नहीं आया। दर्शक

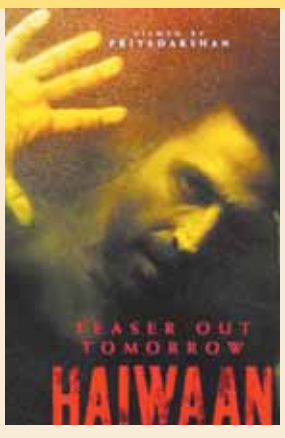

के मुताबिक कहानी सामान्य है और फिल्म शुरू होने के कुछ ही समय बाद यह अंदाजा लगने लगता है कि आगे क्या होने वाला है। उनका कहना था कि उन्हें उम्मीद थी कि दूसरे भाग में कहानी जोर पकड़ेगी, लेकिन वहां भी निराशा हाथ लगी।कई दर्शकों ने सैफ अली खान के अभिनय की सराहना की। वहीं, अक्षय कुमार के खलनायक वाले किरदार को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई। एक दर्शक ने तो यहां तक कहा कि अक्षय कुमार को हास्य भूमिकाओं में ही रहना चाहिए और खलनायक के रूप में वह प्रभाव नहीं छोड़ पाए।

एक अन्य दर्शक ने फिल्म को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वह अक्षय और सैफ की जोड़ी से कुछ अलग और दमदार देखने की उम्मीद लेकर सिनेमाघर पहुंचे थे, लेकिन फिल्म ने निराश किया। उन्होंने निर्देशक प्रियदर्शन पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पहचान हास्य फिल्मों के लिए है और अपराध रोमांचक कहानी में उनका निर्देशन उतना प्रभावी नहीं लगा।

मेट्रो बाजार

देश में फरवरी से राजमार्गों पर शुरू हो जाएंगे बैरियर-फ्री टोल

मुंबई । सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भारत में फरवरी से राष्ट्रीय राजमार्गों पर बैरियर-फ्री टोल शुरू हो जाएंगे। इससे वाहन चालकों को टोल प्लाजा पर टोल देने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार अब फास्टैग को गाड़ी की नंबर-प्लेट पहचानने वाली तकनीक के साथ जोड़ने पर विचार कर रही है। वे टोल वसूलने के ऐसे सिस्टम की ओर बढ़ रहे हैं जो ज्यादा टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा और जिससे टोल कलेक्शन में भी काफी बढ़ोतरी होगी। गडकरी ने कहा, ÷हम ऐसा टोल सिस्टम लागू करेंगे, जिनमें नंबर प्लेट और फास्टैग दोनों का इस्तेमाल होगा, उससे टोल आय में सालाना 10,000 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी होगी।÷ उन्होंने कहा कि फास्टैग लागू होने के बाद टोल प्लाजा पर इंतजार का समय, जो कभी 12 मिनट और कुछ मामलों में 30 मिनट तक होता था, अब 80-90 प्रतिशत तक कम हो गया है। सरकार अब बाकी बची देरी को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सिस्टम से फास्टैग डेटा और गाड़ियों की नंबर प्लेट, दोनों का इस्तेमाल करके टोल कलेक्शन को मजबूत करने की उम्मीद है, जिससे टोल वाले रास्तों पर गाड़ियों की पहचान और ट्रैकिंग बेहतर होगी। गडकरी ने कहा कि फास्टैग ने इंतजार का समय काफी कम करके और टोल प्लाजा पर कैश और छुट्टे पैसे की जरूरत को खत्म करके टोल कलेक्शन के तरीके को पहले ही बदल दिया है। अगला कदम यह पक्का करना है कि गाड़ियों को फीस देने के लिए टोल प्लाजा पर न रुकना पड़े।

एक दशक में दोगुनी हुई भारत की बिजली मांग स्थापित क्षमता हुई 552 गीगावाट : सरकार

नई दिल्ली । भारत का बिजली क्षेत्र पिछले एक दशक में अभूतपूर्व विस्तार का साक्षी बना है। तेजी से बढ़ती आर्थिक गतिविधियों, उद्योगों के विस्तार और घरों में बिजली की बढ़ती खपत के चलते देश की बिजली मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। सरकार ने कहा कि इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमता, ट्रांसमिशन नेटवर्क और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है।

केंद्र सरकार ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश की अधिकतम बिजली मांग (पीक पावर डिमांड) लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 2013-14 में जहां यह 135.9 गीगावाट थी, वहीं 21 मई 2026 को यह बढ़कर रिकॉर्ड 270.8 गीगावाट के स्तर पर पहुंच गई। सरकार का कहना है कि यह वृद्धि देश में बढ़ती आर्थिक गतिविधियों, शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और घरेलू बिजली खपत में लगातार बढ़ोतरी का परिणाम है। बिजली की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत ने अपनी कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में भी बड़ा विस्तार किया है। मार्च 2014 में देश की कुल स्थापित क्षमता 249 गीगावाट थी, जो जुलाई 2026 तक बढ़कर 552 गीगावाट हो गई। इस अवधि में जुड़ी नई क्षमता ने न केवल मौजूदा मांग को पूरा करने में मदद की है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के लिए भी बिजली व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाया है। उत्पादन क्षमता के साथ-साथ देश के बिजली पारेषण (ट्रांसमिशन) नेटवर्क में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अप्रैल 2014 में जहां ट्रांसमिशन नेटवर्क की लंबाई 2,91,336 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) थी, वहीं जुलाई 2026 तक यह बढ़कर 5,10,594 सर्किट किलोमीटर हो गई। विस्तारित नेटवर्क ने राष्ट्रीय ग्रिड को अधिक एकीकृत बनाने, विभिन्न क्षेत्रों के बीच बिजली प्रवाह को सुगम करने और आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मांडू... बारिश में और भी खूबसूरत हो जाती है प्रेम नगरी

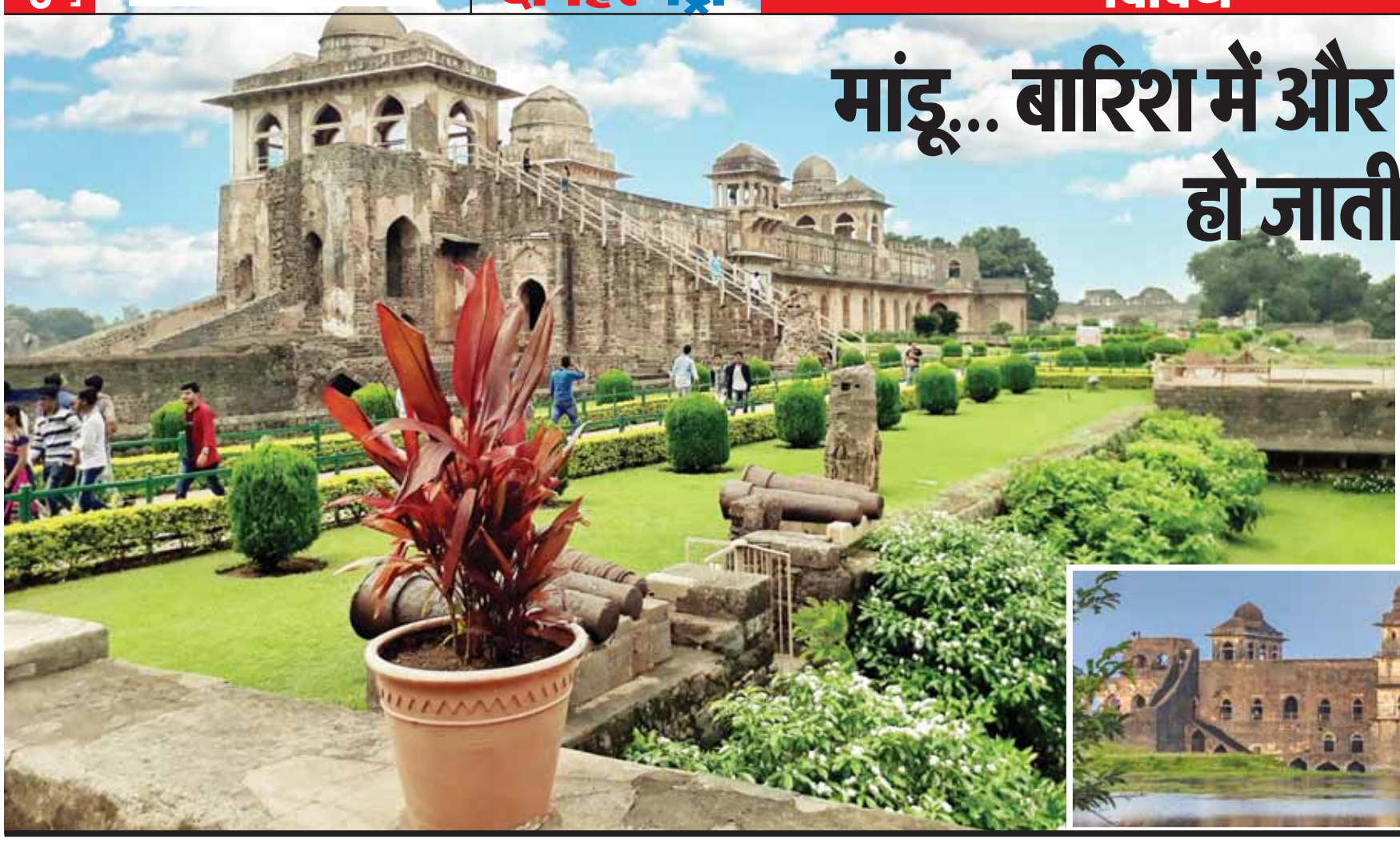

मांडू (धार)। मानसून के दौरान मांडू की खूबसूरती देखते ही बनती है। ऐतिहासिक धरोहरों और हरियाली से घिरा यह शहर बारिश में किसी सपनों की दुनिया जैसा नजर आता है। मांडू पहुंचने से पहले ककरा खोह वॉटरफॉल का नजारा सभी का मन मोह लेता है। बारिश में यह झरना बेहद आकर्षक दिखाई देता है। इसके बाद जहाज महल की खूबसूरती मन मोह लेती है। कपूर तालाब और मुंज तालाब के बीच स्थित यह महल पानी से घिर जाने पर किसी तैरते जहाज जैसा दिखाई देता है। इसके अलावा रानी रूपमती मंडप से नर्मदा नदी व आसपास की हरियाली का मनोरम दृश्य देखने को मिलता है।

न्यूज विंडो

हरियाणा में ओपीयू-आईवीएफ तकनीक से बछिया का जन्म

करनाल. एजेंसी। उत्तराखंड की देसी बद्री गाय के संरक्षण और आनुवंशिक उन्नयन की दिशा में करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआइ) और गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर के वैज्ञानिकों ने पहली बार अंडाणु संग्रहण व प्रयोगशाला निषेचन (ओपीयू-आइवीएफ) तकनीक से तैयार बद्री भ्रूण को साहीवाल गाय की कोख में प्रत्यारोपित कर स्वस्थ बद्री बछिया का जन्म कराया। बद्री उत्तराखंड की देसी पशु नस्ल है और राज्य पशु का दर्जा प्राप्त है। एनडीआरआइ के निदेशक डॉ. धीर सिंह ने बताया कि इस तकनीक से उत्कृष्ट आनुवंशिक गुणों वाली बद्री गायों के अंडाणु ले भ्रूण तैयार किए जा सकते हैं।

सीतामढ़ी में जिला पार्षद प्रतिनिधि की हत्या, पत्थर में एसपी घायल

सीतामढ़ी(बिहार). एजेंसी। जिला मुख्यालय डुमरा थाना क्षेत्र में सुबह बवाल हो गया। मार्निंग वाक पर निकले जिला पार्षद खुशदील देवी के पति बैद्यनाथ महतो की गोली मारकर बदमाशों ने हत्या कर दी। घटना से आक्रोशित उग्र भीड़ ने जमकर बवाल काटा। भीड़ ने पुलिस पर पथराव भी किया। जिसमें एसपी अमित रंजन चोटिल हो गए जबकि इंस्पेक्टर सह यातायात थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार घायल हो गए। उग्र भीड़ ने डुमरा थाने में तालाबंदी की भी कोशिश की और पुलिस वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। सड़क पर आगजनी कर लोगों ने आवागमन को भी ठप कर दिया। पुलिस लाइन से बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों को बुलाया गया है। पुलिस स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रही है।

सहारनपुर: 1.20 लाख के नकली सिक्कों के साथ दो गिरफ्तार

सहारनपुर(यूपी). एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की करेंसी चेस्ट में 17 करोड़ 29 लाख रुपए के नकली नोट की नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) जांच कर रही है। इसी बीच अब सहारनपुर में नकली सिक्कों का मामला भी सामने आ गया है।

पुलिस टीम और एसओजी की टीम ने कुलदीप और विपिन निवासी आवास विकास कॉलोनी को 20 रुपए के नकली सिक्कों के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद सिक्कों की कुल कीमत करीब एक लाख 20 हजार रुपए बताई जा रही है। पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस मुख्य आरोपित तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम पकड़े गए आरोपितों को साथ लेकर संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। बता दें, करीब 8 दिन से नकली नोटों का मामला बेहद गर्म चल रहा है।

संशोधित सीट मैट्रिक्स से मेडिकल छात्रों को मिली बड़ी राहत

देश में एमबीबीएस की 13,186 सीटें बढ़ीं, संख्या 1.40 लाख हुई

नई दिल्ली।एजेंसी

मेडिकल कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। इस बीच राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने संशोधित सीट मैट्रिक्स जारी कर दी है। नई सीट मैट्रिक्स के मुताबिक, अब देश में एम्स जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों को छोड़कर एमबीबीएस की कुल 1,40,214 सीटें हो गई हैं। इनमें 61,185 सरकारी सीटों में 2,786 की बढ़ोतरी हुई है, जबकि निजी मेडिकल कॉलेजों की 65,843 सीटों में 10,400 सीटें बढ़ी हैं।

देश में सबसे ज्यादा सीटें कर्नाटक में बढ़ाई गई हैं। यहां 1,650 नई सीटें जोड़ी गई हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 1,250 और बिहार में 1,240 सीटें बढ़ी हैं। नई सीटें जुड़ने के बाद कर्नाटक में स्नातक की कुल 15,745 सीटें हो गई हैं। वहीं, तमिलनाडु में कुल सीटों की संख्या बढ़कर 14,299 हो गई है। राजस्थान में 1,100 नई सीटें जोड़ी गई हैं। इसके बाद यहां कुल 8,280 सीटें हो गई हैं। तेलंगाना में 1,010 सीटें बढ़ी हैं और अब यहां कुल 10,450 सीटें हैं। पश्चिम बंगाल में 975, छत्तीसगढ़ में

645, महाराष्ट्र में 550 और आंध्र प्रदेश में 525 सीटें बढ़ाई गई हैं।

झारखंड और मध्य प्रदेश में 520-520 सीटें बढ़ीं

नई सीट मैट्रिक्स के अनुसार, झारखंड और मध्य प्रदेश में एमबीबीएस की 520-520 सीटें बढ़ाई गई हैं। हरियाणा में 350, केरल में 300 और गुजरात में 250 सीटों का इजाफा हुआ है। पुडुचेरी और उत्तराखंड में 200-200, जबकि जम्मू-कश्मीर में 175 नई सीटें जोड़ी गई हैं। असम, ओडिशा और सिक्किम में 100-100 सीटें बढ़ाई गई हैं। चंडीगढ़, गोवा, पंजाब और त्रिपुरा में 50-50 सीटों का इजाफा हुआ है। मणिपुर में 25 सीटें बढ़ी हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश में सिर्फ एक नई सीट जोड़ी गई है। इसके बाद हिमाचल प्रदेश में कुल सीटों की संख्या 871 हो गई है।

कर्नाटक में सबसे ज्यादा 1,650 सीटों की बढ़ोतरी

राज्य	बढ़ी हुई सीटें
तमिलनाडु	1,250
बिहार	1,240
उत्तर प्रदेश	1,200
राजस्थान	1,100
तेलंगाना	1,010
पश्चिम बंगाल	975
आंध्र प्रदेश	525
मध्य प्रदेश	520
महाराष्ट्र	550
झारखंड	520
केरल	300
गुजरात	250
छत्तीसगढ़	245
उत्तराखंड	200

ईरान: बघाई ने पीट हेगसेथ के बयान पर बोला हमला

'9/11 की आड़ में ईरान के खिलाफ जंग को सही ठहरा रहा अमेरिका'

वॉशिंगटन।एजेंसी

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने वाशिंगटन के रुख पर कड़ा एतराज जताते हुए अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार 9/11 वर्ल्ड ट्रेड सेंटर हमलों की 25वीं बरसी का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ एक 'लापरवाह और गैर-कानूनी युद्ध' को सही ठहराने के लिए कर रही है। बघाई ने अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ के उस बयान की कड़ी निंदा की, जो उन्होंने 9/11 के एक स्मृति समारोह के दौरान दिया था। ईरानी प्रवक्ता ने अमेरिकी विदेश नीति के बुनियादी अंतर्विरोधों पर सवाल उठाते हुए आतंकवाद की परिभाषा तय करने के वाशिंगटन के 'अकेले अधिकार' को खारिज कर दिया।

इस्माइल बघाई ने क्या कहा?

बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि 9/11 हमले के जिम्मेदार लोग ईरानी नहीं थे। उन्होंने अमेरिका की आतंकवाद के खिलाफ नीति पर सवाल उठाते हुए

कहा कि अमेरिका खुद दूसरे देशों में सैन्य कार्रवाई करता है, अधिकारियों की हत्या करता है और आम नागरिकों को निशाना बनाता है, फिर भी आतंकवाद की परिभाषा तय करने का अधिकार अपने पास रखता है। ऐतिहासिक दावों का खंडन कर बघाई ने स्पष्ट किया कि 2001 के हमलों में ईरान की कोई भूमिका नहीं थी। 9/11 के हमलावर ईरानी नहीं थे। ये वही लोग थे जिन्हें पिछले दशकों में अमेरिका ने हथियार दिए, संगठित किया और तैयार किया था। बघाई ने कहा कि 9/11 के बाद अमेरिका के कथित 'आतंक के खिलाफ युद्ध' ने इराक व अफगानिस्तान में सिर्फ दशकों का कब्जा, विनाश और निर्दोष नागरिकों की मौतें दीं।

इंदौर में ब्रिज की रेलिंग तोड़कर 50 फीट नीचे गिरी कार, युवक-युवती घायल

इंदौर। शराब के नशे और तेज रफ्तार का खतरनाक नतीजा देर रात राजेंद्र नगर क्षेत्र में सामने आया। रेत मंडी से राजेंद्र नगर की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ब्रिज पर अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए करीब 50 फीट नीचे जा गिरी।

हादसे के समय कार में दो युवक और दो युवतियां सवार थीं। कार पलटने से उसमें सवार दो युवक-युवती अंदर फंस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि हादसे में दो लोग घायल हुए हैं, जबकि अन्य

दो सुरक्षित हैं।

हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार की रफ्तार काफी तेज थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कार में शराब की बोतल भी मिली है।

श्योपुर के स्कूल में बवाल: मध्याह्न भोजन की शिकायत पर भड़कीं रसोइया, प्रधानाध्यापक को चप्पलों से पीटा

श्योपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के किला रोड स्थित एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार सुबह मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। स्कूल की समूह अध्यक्ष और रसोईया के रूप में काम करने वाली नसीर बानो ने अपने पति इस्माइल के साथ मिलकर प्राचार्य कमलजीत सिसोदिया पर हमला कर दिया। महिला द्वारा प्राचार्य को चप्पल से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सुबह 9 बजे प्राचार्य कमलजीत सिसोदिया विद्यालय परिसर में पुताई का

कार्य करा रहे थे। इसी दौरान स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष नसीर बानो पति के साथ स्कूल में मौजूद थीं। प्राचार्य ने बताया कि बच्चों द्वारा लगातार मध्याह्न भोजन की शिकायत मिल रही थी। इसी बात को लेकर उन्होंने नसीर बानो से कहा कि भोजन की गुणवत्ता में सुधार किया जाए।

प्राचार्य बोले-कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से की शिकायत

प्राचार्य का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में जिला पंचायत और कलेक्ट्रेट में लिखित शिकायत भी की थी। इससे नाराज होकर दंपती भड़क गए। आरोप है कि दोनों ने पहले पुताई का काम रुकवाया और फिर गाली-गलौज की। जब प्राचार्य ने गाली देने से मना किया तो इस्माइल ने कॉलर पकड़ लिया और जमीन पर गिराने की कोशिश की। नसीर बानो ने चप्पल निकालकर प्राचार्य को दौड़ा-दौड़ाकर पीटना शुरू कर दिया। जान बचाने के लिए प्राचार्य को भागना पड़ा। पुलिस ने दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया है।

मेट्रो एंकर अमेरिकी अखबारों में ब्रिक्स की चर्चा, अमेरिकी वर्चस्व पर उठे सवाल

ब्रिक्स...भारत-चीन के करीब आने से अमेरिका चिंतित

वॉशिंगटन। एजेंसी

अमेरिका के प्रमुख अखबारों ने नई दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को बदलते वैश्विक हालात की झलक के तौर पर देखा है। ये हालात तनावपूर्ण गठबंधनों, क्षेत्रीय युद्धों और वॉशिंगटन व बीजिंग के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से तय हो रहे हैं। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक खबर में कहा कि इस शिखर सम्मेलन में सबसे अहम सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में से कौन विकासशील दुनिया की अधिक प्रभावशाली आवाज बनकर उभरेगा। चीन, ब्रिक्स को अमेरिकी ताकत को चुनौती देने के एक प्लेटफॉर्म के तौर पर देखता है। वहीं, भारत चाहता है कि यह ग्रुप इतना बड़ा और खुला रहे कि देशों को अलग-अलग गुटों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े।

अखबार ने कहा कि युद्ध, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी टैरिफ और आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस को लेकर चिंताएं देशों को वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं। वॉशिंगटन में स्टिमसन सेंटर के चीन प्रोग्राम की डायरेक्टर युन सन ने 'टाइम्स' को बताया, 'भारत को लेकर चीन की मुख्य चिंता हमेशा से भारत का अमेरिका के साथ झुकाव रही है। इसलिए बीजिंग दिल्ली के साथ रिश्तों को बेहतर बनाने का मौका नहीं गंवाना चाहेगा।'

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग का 7 साल में यह पहला भारत दौरा

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह दौरा सात साल में भारत का उनका पहला दौरा है। यह 2020 में सीमा पर हुई जानलेवा झड़प के बाद रिश्तों में आई लंबी खटास और 2024 में शुरू हुई सावधानी भरी कूटनीतिक सुधार प्रक्रिया के बाद हो रहा है। शी 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। यह मुलाकात नई दिल्ली समिट को अहम बनाती है, क्योंकि चीनी नेता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बेहद अहम बातचीत की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रंप प्रशासन में भारत और अमेरिका संबंधों में गिरावट

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने कहा है कि अमेरिका के साथ भारत और चीन के रिश्तों में अनिश्चितता ने इन दोनों परमाणु-हथियार वाले पड़ोसी देशों के लिए तनाव कम करने का मौका दिया है। तृप्ति लाहिड़ी और ऑस्टिन रैमजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में गिरावट आई थी, जिसकी वजह नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद जैसे मुद्दे थे।

भारत संतुलन करने की कर रहा कोशिश

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में चीनी अध्ययन के प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली ने जर्नल को बताया, 'भारत स्थिति को फिर से संतुलित करने की कोशिश कर रहा है।' अखबार ने कहा कि भारत-चीन संबंधों में कोई सुधार सीमा विवाद के अनसुलझे रहने, पाकिस्तान के साथ चीन के रिश्तों और हिंद महासागर में सुरक्षा प्रतिस्पर्धा की वजह से सीमित है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524